हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः

(केन्द्रीयः विश्वविद्यालयः)

श्रीनगरम् (गढ़वालः), उत्तराखण्डः

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY

(A CENTRAL UNIVERSITY)

SRINAGAR (GARHWAL), UTTARAKHAND

संकायः कला–संचार–भाषाणाम्

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

संस्कृतम्

SANSKRIT

पाठ्यक्रमः

SYLLABUS

एम.ए.प्रथमषाण्मासिकसत्त्राद् एम.ए.चतुर्थषाण्मासिकसत्त्रपर्यन्तः

M.A. 1ST SEMESTER TO M.A.4TH SEMESTER

२०१५–२०१६ सत्त्रात् प्रवृत्तः

W.E.F. SESSION 2015-2016

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः

उत्तराखण्डस्थगढ़वालश्रीनगरीयः

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY
SRINAGAR (GARHWAL), UTTARAKHAND

सूची

कक्षा	प्रश्नपत्रम्	कूटसंख्या	पृष्ठम्
एम.ए. संस्कृतम् भूमिका	–	–	क,ख
एम.ए. प्रथमं षाण्मासिकं सत्रम्	१	SOA/SAN/PG/ C001	१–२
	२	SOA/SAN/PG/ C002	२–३
	३	SOA/SAN/PG/ C003	३–५
	४	SOA/SAN/PG/ C004	५–६
	५	SOA/SAN/PG/ C005	६–७
	६	SOA/SAN/PG/ C006	७–८
एम.ए. द्वितीयं षाण्मासिकं सत्रम्	१	SOA/SAN/PG/ C007	९–१०
	२	SOA/SAN/PG/ C008	१०–११
	३	SOA/SAN/PG/ C009	११–१३
	४	SOA/SAN/PG/ C010	१३–१५
	५	SOA/SAN/PG/ C011	१५–१६
	६	SOA/SAN/PG/ C012	१६–१७
एम.ए. तृतीयं षाण्मासिकं सत्रम्	१	SOA/SAN/PG/ C013	१८–२०
	२	SOA/SAN/PG/ C014	२०–२१
	३	SOA/SAN/PG/ C015	२१–२२

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वालः), उत्तराखण्डः

संस्कृतविषये एम.ए.षाण्मासिकसत्रपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

		A साहित्यम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E01A	२२–२३
	५	SOA/SAN/PG/ E02A	२३–२५
	६	SOA/SAN/PG/ E03A	२५–२६
		B दर्शनम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E01B	२६
	५	SOA/SAN/PG/ E02B	२६–२७
	६	SOA/SAN/PG/ E03B	२७–२८
		C व्याकरणम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E01C	२८–२९
	५	SOA/SAN/PG/ E02C	२९
	६	SOA/SAN/PG/ E03C	२९–३०
		D धर्मशास्त्रम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E01D	३०–३१
	५	SOA/SAN/PG/ E02D	३१–३२
	६	SOA/SAN/PG/ E03D	३२
		E पुराणेतिहासौ	
	४	SOA/SAN/PG/ E01E	३२–३३
	५	SOA/SAN/PG/ E02E	३३–३४
	६	SOA/SAN/PG/ E03E	३४
		F वेदः	
	४	SOA/SAN/PG/ E01F	३४–३५
	५	SOA/SAN/PG/ E02F	३५–३६
	६	SOA/SAN/PG/ E03F	३६–३७

एम.ए. चतुर्थं षाण्मासिकं सत्त्रम्	१	SOA/SAN/PG/ C016	३८–३९
	२	SOA/SAN/PG/ C017	३९–४०
	३	SOA/SAN/PG/ C018	४०
		A साहित्यम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E04A	४०–४१
	५	SOA/SAN/PG/ E05A	४१–४२
	६	SOA/SAN/PG/ E06A	४२–४३
		B दर्शनम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E04B	४३–४४
	५	SOA/SAN/PG/ E05B	४४
	६	SOA/SAN/PG/ E06B	४४–४५
		C व्याकरणम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E04C	४५–४६
	५	SOA/SAN/PG/ E05C	४६–४७
	६	SOA/SAN/PG/ E06C	४७–४८
		D धर्मशास्त्रम्	
	४	SOA/SAN/PG/ E04D	४८–४९
	५	SOA/SAN/PG/ E05D	४९–५०
	६	SOA/SAN/PG/ E06D	५०–५१

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वालः), उत्तराखण्डः

संस्कृतविषये एम.ए.षाण्मासिकसत्रपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

		E पुराणेतिहासौ	
	४	SOA/SAN/PG/ E04E	५१
	५	SOA/SAN/PG/ E05E	५१–५२
	६	SOA/SAN/PG/ E06E	५२–५३
		F वेदः	
	४	SOA/SAN/PG/ E04F	५३–५४
	५	SOA/SAN/PG/ E05F	५४–५५
	६	SOA/SAN/PG/ E06F	५५–५६
		S स्वाध्यायः	
स्वाध्यायः		SOA/SAN/PG/ S01L	५७–५८
		SOA/SAN/PG/ S01M	५८
		SOA/SAN/PG/ S01N	५८–५९

एम.ए.
संस्कृतम्
भूमिका

संस्कृतविषये एम.ए.परीक्षायाः चत्वारि षाण्मासिकसत्राणि प्रतिषाण्मासिकसत्रे च षट् प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति। एम.ए. प्रथमे षाण्मासिकसत्रे सर्वेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः सर्वाणि षट् प्रश्नपत्राणि अनिवार्याणि। द्वितीये षाण्मासिकसत्रेऽपि सर्वेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः सर्वाणि षट् प्रश्नपत्राणि अनिवार्याण्येव। तृतीये षाण्मासिकसत्रे प्रथमं, द्वितीयं, तृतीयं चेति त्रीणि प्रश्नपत्राणि अनिवार्याणि; चतुर्थं पञ्चमं षष्ठं चेति त्रीणि प्रश्नपत्राणि ऐच्छिकानि भविष्यन्ति। चतुर्थे षाण्मासिकसत्रेऽपि प्रथमं, द्वितीयं, तृतीयं चेति त्रीणि प्रश्नपत्राणि अनिवार्याणि; चतुर्थं, पञ्चमं, षष्ठं चेति त्रीणि प्रश्नपत्राणि ऐच्छिकानि। एम.ए.तृतीयषाण्मासिकसत्रस्य एम.ए.चतुर्थषाण्मासिकसत्रस्य च चतुर्थं, पञ्चमं, षष्ठं चेति त्रीणि त्रीणि प्रश्नपत्राणि "Group A वर्गः ए- साहित्यम्, Group B वर्गः बी- दर्शनम्, Group C वर्गः सी- व्याकरणम्, Group D वर्गः डी- धर्मशास्त्रम्, Group E वर्गः ई- पुराणेतिहासौ, Group F वर्गः एफ- वेदः" चेत्येतेषु वर्गेषु कस्माच्चिदेकस्मादेव वर्गाच्चयनीयानि। एतदतिरिक्तं एकं स्वाध्यायप्रश्नपत्रं (Self Study Paper) सर्वेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः एम.ए.द्वितीयायां यद्वा एम.ए.तृतीयायां यद्वा एम.ए.चतुर्थ्यां षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायामनिवार्यं भविष्यति। प्रत्येकं प्रश्नपत्राय प्रतिसप्ताहं ०३ क्रेडिटा भविष्यन्ति। गणनया प्रत्येकस्मिन् षाण्मासिकसत्रे ०६ प्रश्नपत्राणाम् ०६ x ०३ = १८ क्रेडिटा भविष्यन्ति। चतुर्षु षाण्मासिकसत्रेषु ०६ x ०४ +१ = २५ प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति। एम.ए.परीक्षायाश्चतुर्षु षाण्मासिकसत्रेषु २४ प्रश्नपत्राणाम् २४ x ०३= ७२ क्रेडिटा भविष्यन्ति। अन्ततः स्वाध्यायप्रश्नपत्रस्य ०३ क्रेडिटान् संयुज्य गणनया ७२ + ०३= ७५ क्रेडिटाः भविष्यन्ति। प्रत्येकप्रश्नपत्रार्थं १०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु १०० पूर्णाङ्केषु परीक्षार्थिनः सेशनलपरीक्षायाः कृते ४० अङ्काः षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायाश्च कृते ६० अङ्का भविष्यन्ति। २० अङ्कमिता प्रथमा सेशनलपरीक्षा भविष्यति २० अङ्कमिता च द्वितीया सेशनलपरीक्षा। सेशनलपरीक्षायां परीक्षणं, नियतकार्यं, प्रस्तुतीकरणं, सम्मेलनं चेत्यादिकार्यक्रमा विश्वविद्यालयनिर्देशानुसारेण भविष्यन्ति।

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वालः), उत्तराखण्डः

संस्कृतविषये एम.ए.षाण्मासिकसत्रपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

एम.ए.
संस्कृत
भूमिका

संस्कृत विषय में एम.ए. परीक्षा के चार षाण्मासिक सत्र और प्रत्येक षाण्मासिक सत्र में छः प्रश्नपत्र होंगे। एम.ए. प्रथम षाण्मासिक सत्र में सभी परीक्षार्थियों के लिए सभी छः प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे। द्वितीय षाण्मासिक सत्र में भी सभी परीक्षार्थियों के लिए सभी छः प्रश्नपत्र अनिवार्य ही होंगे। तृतीय षाण्मासिक सत्र में प्रथम, द्वितीय और तृतीय- ये तीन प्रश्नपत्र अनिवार्य तथा चतुर्थ, पञ्चम और षष्ठ— ये तीन प्रश्नपत्र ऐच्छिक होंगे। चतुर्थ षाण्मासिक सत्र में भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय— ये तीन प्रश्नपत्र अनिवार्य तथा चतुर्थ, पञ्चम और षष्ठ— ये तीन प्रश्नपत्र ऐच्छिक होंगे। एम.ए. तृतीय षाण्मासिक सत्र और एम.ए. चतुर्थ षाण्मासिक सत्र के चतुर्थ, पञ्चम और षष्ठ— ये तीन-तीन प्रश्नपत्र "Group A वर्ग ए- साहित्य, Group B वर्ग बी- दर्शन, Group C वर्ग सी- व्याकरण, Group D वर्ग डी- धर्मशास्त्र, Group E वर्ग ई- पुराणेतिहास और Group F वर्ग एफ- वेद," — इन वर्गों में से किसी एक ही वर्ग से चयनित करने होंगे। इनके अतिरिक्त एक स्वाध्याय प्रश्नपत्र (Self Study Paper) सभी परीक्षार्थियों के लिए एम.ए. द्वितीय अथवा एम. ए. तृतीय अथवा एम.ए. चतुर्थ षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा में अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए प्रति सप्ताह ०३ क्रेडिट होंगे। गणना करने पर प्रत्येक षाण्मासिक सत्र के ०६ प्रश्नपत्रों के ०६ x ०३= १८ क्रेडिट होंगे। चारों षाण्मासिक सत्रों में ०६x०४+०१=२५ प्रश्नपत्र होंगे। एम.ए. परीक्षा के चारों षाण्मासिक सत्रों में २४ प्रश्नपत्रों के २४X०३= ७२ क्रेडिट होंगे। अन्त में स्वाध्याय प्रश्न के ०३ क्रेडिट मिलाकर कुल ७२+०३=७५ क्रेडिट होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए १०० पूर्णाङ्क हैं। इन १०० पूर्णाङ्कों में से परीक्षार्थियों की सेशनल परीक्षा के लिए ४० अङ्क और षाण्मासिकसत्रान्त परीक्षा के लिए ६० अङ्क होंगे। २० अङ्कों की प्रथम सेशनल परीक्षा होगी और २० अङ्कों की द्वितीय सेशनल परीक्षा। सेशनल परीक्षा में परीक्षण, नियत कार्य, प्रस्तुतीकरण और सम्मेलन इत्यादि कार्यक्रम विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार होंगे।

षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षापाठ्यक्रमः

षाण्मासिकसत्रान्त परीक्षा पाठ्यक्रम

एम.ए. प्रथमं षाण्मासिकं सत्रम्

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर

सूचना

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय ४०+६०=१०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु ४० अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) ६० अङ्काश्च षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए ४०+६०= १०० पूर्णाङ्क हैं। इनमें से ४० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और ६० अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C001 **CREDITS 03**

प्रथमं प्रश्नपत्रम्— वैदिकसूक्तानि निरुक्तं च **पूर्णाङ्काः ६०**

प्रथम प्रश्नपत्र— वैदिकसूक्त और निरुक्त

(क) **वैदिकसूक्तानि** ४५

वैदिकसूक्त

ऋग्वेदस्य सूक्तानि— इन्द्रसूक्तम् १/३२, सवितृसूक्तम् १/३५, उषस्सूक्तम् १/४८, सूर्यसूक्तम् १/११५, विश्वामित्रनदीसंवादसूक्तम् ३/३३, सोमसूक्तम् ९/८०, पर्जन्यसूक्तम् ५/८३, पुरुषसूक्तम् १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्तम् १०/१२१, वाक्सूक्तम् १०/१२५, नासदीयसूक्तम् १०/१२९

माध्यन्दिनशुक्लयजुर्वेदस्य मन्त्रः— योगक्षेमः २२/२२

शौनकीयस्य अथर्ववेदस्य सूक्तम्— राष्ट्राभिवर्धनम् १/२९

ऋग्वेद के सूक्त— इन्द्रसूक्त १/३२, सवितृसूक्त १/३५, उषस्सूक्त १/४८, सूर्यसूक्त १/११५, विश्वामित्र-नदीसंवादसूक्त ३/३३, सोमसूक्त ९/८०, पर्जन्यसूक्त ५/८३, पुरुषसूक्त १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्त १०/१२१, वाक्सूक्त १०/१२५, नासदीयसूक्त १०/१२९

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद का मन्त्र— योगक्षेम २२/२२

शौनकीय अथर्ववेद का सूक्त— राष्ट्राभिवर्धन १/२९

(ख) यास्ककृते ***निरुक्ते*** प्रथमाध्यायः द्वितीयाध्याये च प्रथमद्वितीयौ पादौ १५

यास्क. ***निरुक्त*** प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम-द्वितीय पाद

सहायका ग्रन्थाः

(१) चौबे इत्युपाह्वडॉ.ब्रजबिहारीतिकृतम्. ***न्यू वेदिक सलेक्शनम्*** भागद्वयात्मकम्. वाराणसी¦ भारतीयविद्याप्रकाशनम्, १९७६.

Chaubey, Dr. Braj Bihari. ***The New Vedic Selection Part I &II.*** Varanasi: Bharatiya Vidya Prakashan, 1976.

(२) डॉ.कृष्णकुमारसंकलितः ***ऋक्सूक्तसुधाकरः.*** मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९७२.

डॉ.कृष्णकुमार. ***ऋक्सूक्तसुधाकर.*** मेरठ¦ साहित्य भण्डार, १९७२.

(३) यास्ककृतं निरुक्तम्. सम्पादकः उमाशङ्कर ऋषिः वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००५.

यास्क. निरुक्त. सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००५.

(४) यास्ककृतम्. निरुक्तम् दुर्गावृत्तिसहितम्. सम्पादकाः परमेश्वरान्द-छज्जूलाल-देवशर्माणः. दिल्ली¦ मेहरचन्द-लछमनदास-पब्लिकेशन, २००९.

यास्क. निरुक्त दुर्गावृत्ति सहित. सम्पादक परमेश्वरान्द. छज्जूलाल और देवशर्मा. दिल्ली¦ मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन, २००९.

PAPER CODE— S0A/SAN/ PG/ C002 **CREDITS 03**

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्— नाटकं गद्यकाव्यं च **पूर्णाङ्काः ६०**

द्वितीय प्रश्नपत्र— नाटक और गद्यकाव्य

(क) भवभूतिकृतम् ***उत्तररामचरितम्*** ४५

भवभूति. ***उत्तररामचरित***

(ख) बाणभट्टकृते ***हर्षचरिते*** प्रथम उच्छ्वासः १५

बाणभट्ट. ***हर्षचरित*** प्रथम उच्छ्वास

सहायका ग्रन्थाः

(१) भवभूतिकृतम् ***उत्तररामचरितम्.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. कपिलदेवः द्विवेदी. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम्,१९७४.

भवभूति. उत्तररामचरित. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. कपिलदेव द्विवेदी. इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान,१९७४.

(२) भवभूतिकृतम् ***उत्तररामचरितम्.*** अनुवादकः सम्पादकश्च एम आर काले.

दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः,२०१४.

Bhavabhūti. ***The Uttararāmacaritam.*** Tran. & Ed. M.R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2014.

(३) बाणभट्टकृतं ***हर्षचरितम्.*** हिन्दीभाषानुवादकः सम्पादकश्च जगन्नाथः पाठकः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्,१९७२.बाणभट्ट. ***हर्षचरित.*** हिन्दीभाषा अनुवादक और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, १९७२.

(४) बाणभट्टकृतं ***हर्षचरितम्.*** हिन्दीभाषानुवादकः केशवरावः मुसलगाँवकरः. सम्पादकः गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०४९.

बाणभट्ट. ***हर्षचरित.*** हिन्दीभाषानुवादक केशवराव मुसलगाँवकर. सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०४९.

(५) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम्.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान.

(६) त्रिपाठ्युपाह्वराधावल्लभकृतः '***संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास***' इति. सागरः¦ विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २००४.

त्रिपाठी, राधावल्लभ. ***संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास.*** सागर¦ विश्वविद्यालय प्रकाशन, २००४.

(७) पाण्डेयोपाह्वामरनाथकृता '***संस्कृतकविसमीक्षा***' इति. वाराणसी¦ चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.

पाण्डेय, अमरनाथ. ***संस्कृतकविसमीक्षा.*** वाराणसी¦ चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.

(८) कीथोपाह्वएबीकृतः '***द संस्कृत ड्रामा***' इति. लन्दनम्¦ ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी प्रेसः. एली हाउस, १९७४.

Keith, AB. ***The Sanskrit Drama.*** London: Oxford University Press. Ely House, 1974.

PAPER CODE— S0A/SAN/ PG/ C003 **CREDITS 03**

तृतीयं प्रश्नपत्रम्— भारतीयदर्शनम् **पूर्णाङ्काः** ६०

तृतीय प्रश्नपत्र— भारतीय दर्शन

(क) केशवमिश्रकृता ***तर्कभाषा*** प्रामाण्यवादपर्यन्ता ३०

केशवमिश्र. ***तर्कभाषा*** प्रामाण्यवादपर्यन्त

(ख) ईश्वरकृष्णकृता ***सांख्यकारिका*** ३०

ईश्वरकृष्ण. ***सांख्यकारिका***

सहायका ग्रन्थाः

(१) केशवमिश्रकृता ***तर्कभाषा.*** हिन्द्यनुवादकः सम्पादकश्च विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणिः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६२.

केशवमिश्र. ***तर्कभाषा.*** हिन्दीअनुवादक और सम्पादक विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६२.

(२) केशवमिश्रकृता ***तर्कभाषा.*** माधुरीहिन्दीव्याख्योपेता. व्याख्याकारः सम्पादकश्च गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९८४.

केशवमिश्र. ***तर्कभाषा.*** माधुरी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९८४.

(३) ईश्वरकृष्णकृता ***सांख्यकारिका*** वाचस्पतिमिश्रकृतसांख्यतत्त्वकौमुदीटीकया सांख्यतत्त्वकौमुद्याश्च विद्वत्तोषिणीव्याख्ययोपेता. व्याख्याकारः बालरामोदासीनः. वाराणसी¦ भारतीयविद्यासंस्थानम्. जगतगंजः.

ईश्वरकृष्ण. ***सांख्यकारिका*** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की विद्वत्तोषिणी व्याख्या युक्त. व्याख्याकार बालराम उदासीन. वाराणसी¦ भारतीय विद्या भवन. जगत गंज.

(४) ईश्वरकृष्णकृता ***सांख्यकारिका*** वाचस्पतिमिश्रकृतसांख्यतत्त्वकौमुदीटीकया सांख्यतत्त्वकौमुद्याश्च प्रभाहिन्दीटीकयोपेता. हिन्दीटीकाकारः आद्याप्रसादमिश्रः. इलाहाबादम्¦ सत्यप्रकाशनम् बलरामपुरहाउसम्. पुनः प्रकाशिता. इलाहाबादम्¦ प्रेमप्रकाशनम्, १९६९.

ईश्वरकृष्ण. ***सांख्यकारिका.*** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्व-कौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित. हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र. इलाहाबाद¦

सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस. पुनः प्रकाशित. इलाहाबाद¦ प्रेमप्रकाशन, १९६९.

PAPER CODE— S0A/SAN/ PG/ C004 **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— व्याकरणम् **पूर्णाङ्काः** ६०

चतुर्थ प्रश्नपत्र— व्याकरण

(क) पतञ्जलिकृते ***व्याकरणमहाभाष्ये*** पस्पशाह्निकम् १५

पतञ्जलि. ***व्याकरणमहाभाष्य*** पस्पशाह्निक

(ख) भट्टोजिदीक्षितकृतौ ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां*** कारकप्रकरणम् ३०

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी*** कारकप्रकरण

(ग) वरदराजकृतौ ***लघुसिद्धान्तकौमुद्यां*** समासप्रकरणम् १५

वरदराज. ***लघुसिद्धान्तकौमुदी*** समासप्रकरण

सहायका ग्रन्थाः

(१) वरदराजकृता ***लघुसिद्धान्तकौमुदी.*** प्राज्ञतोषिणीव्याख्याकारः सम्पादकश्च श्रीधरानन्दः शास्त्री घिल्डियालः. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९७७.

वरदराज. ***लघुसिद्धान्तकौमुदी*** . प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, १९७७.

(२) भट्टोजिदीक्षितकृता ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी*** वासुदेवदीक्षितकृतबाल-मनोरमोपेता. सम्पादको गोपालदत्तः शास्त्री नेने इति. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजम् आफिस, २०१०.

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी*** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपालदत्त शास्त्री नेने. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, २०१०.

(३) श्रीनिवासशास्त्रिकृतं ***एम.ए.संस्कृतव्याकरणम्.*** मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारम्. सुभाषबाजारः,१९७७.

श्रीनिवासशास्त्री. ***एम.ए. संस्कृतव्याकरण.*** मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार, १९७७.

(४) पतञ्जलिकृतं ***व्याकरणमहाभाष्यम्.*** हिन्द्यनुवादको विवरणकारश्च चारुदेवशास्त्री. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः बंगलो मार्गः. जवाहरनगरम्.

पतञ्जलि. ***व्याकरणमहाभाष्य.*** हिन्दी अनुवादक और विवरणकार चारुदेव शास्त्री. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास बंगलो मार्ग जवाहर नगर.

(५) पतञ्जलिकृतं ***व्याकरणमहाभाष्यम्.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च हरिनारायणः तिवारी. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००९.

पतञ्जलि. ***व्याकरणमहाभाष्य.*** व्याख्याकार और सम्पादक हरिनारायण तिवारी. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००९.

(६) पतञ्जलिकृते ***व्याकरणमहाभाष्ये*** पस्पशाह्निकम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च मधुसूदनप्रसादमिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २०१०.

पतञ्जलि. ***व्याकरणमहाभाष्य*** पस्पशाह्निक. व्याख्याकार और सम्पादक मधुसूदनप्रसादमिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,२०१०.

(७) पतञ्जलिकृते ***व्याकरणमहाभाष्ये*** प्रथमद्वितीयाऽऽह्निकमात्रं स्फोटविमर्शिन्या व्याख्ययोपेतम्. व्याख्याकारः भाण्डार्युपाह्वमाधवशास्त्री. सम्पादकः वेदप्रकाशः शास्त्री. नवा दिल्ली¦ मेहरचन्द-लछमन-दासः,१९७९.

पतञ्जलि.***व्याकरणमहाभाष्य*** प्रथम-द्वितीय आह्निकमात्र स्फोटविमर्शिनी व्याख्या सहित. व्याख्याकार माधव शास्त्री भाण्डारी. सम्पादक वेदप्रकाश शास्त्री. नई दिल्ली¦ मेहरचन्द लछमनदास १९७९.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C005 **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— धर्मशास्त्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— धर्मशास्त्र

(क) ***मनुस्मृतौ*** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ ३०

मनुस्मृति प्रथम और द्वितीय अध्याय

(ख) ***याज्ञवल्क्यस्मृतौ*** प्रथम आचाराध्यायः ३०

याज्ञवल्क्यस्मृति प्रथम आचाराध्याय

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***मनुस्मृतिः*** कुल्लूकभट्टकृतमन्वर्थमुक्तावल्या टीकया शिवराजाचार्यकौण्डायनकृतपरिमार्जनहिन्द्यनुवादाभ्यां चोपेता . वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००७.

मनुस्मृति कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत परिमार्जन एवं हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,२००७.

(२) ***मनुस्मृतिः.*** सम्पादकः राजवीरः शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष-साहित्य-प्रचार-ट्रस्टः, १९८५.

मनुस्मृति. सम्पादक राजवीर शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.

(३) ***याज्ञवल्क्यस्मृतिः*** विज्ञानेश्वरप्रणीतमिताक्षरया टीकया उमेशचन्द्रकृतहिन्दी-व्याख्यया चोपेता. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्. विक्रमसंवत्सरः २०६५.

याज्ञवल्क्यस्मृति विज्ञानेश्वरकृत मिताक्षरा टीका और उमेशचन्द्रकृत हिन्दीव्याख्या सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान. विक्रम संवत्सर २०६५.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C006 **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— पुराणेतिहासौ **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— पुराणेतिहास

(क) व्यासकृतौ ***श्रीमद्भागवते*** पञ्चमस्कन्धे
प्रथमाध्यायाद् दशमाध्यायपर्यन्तम् ३०

व्यास. ***श्रीमद्भागवत*** पञ्चम स्कन्ध के प्रथम अध्याय से दसवें अध्याय तक

(ख) वाल्मीकिकृतौ ***रामायणे*** सुन्दरकाण्डे प्रथमसर्गात् पञ्चदशसर्गपर्यन्तम् ३०

वाल्मीकि. ***रामायण*** सुन्दरकाण्ड के प्रथम सर्ग से पञ्चदश सर्ग तक

सहायका ग्रन्थाः

(१) व्यासकृतम् ***श्रीमद्भागवतमहापुराणम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, २०६७.

व्यास. ***श्रीमद्भागवतमहापुराण.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, २०६७.

(२) वाल्मीकिकृतं ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, विक्रमसंवत्सरः २०५६.

वाल्मीकि. ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.

(३) वाल्मीकिकृतं ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्.*** सम्पादकमण्डलम् जी ए भट्ट. पी एल वैद्य.डी आर मनकण्ड इत्यादयः.बड़ौदा.

(४) वाल्मीकि. ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.*** सम्पादकमण्डल जी ए भट्ट. पी एल वैद्य. डी आर मनकण्ड इत्यादि. बड़ौदा.

(५) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः ***पुराण-विमर्शः.*** वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, १९७८.

उपाध्याय, बलदेव. ***पुराण-विमर्श.*** वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,१९७८.

(६) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं ***पुराणपर्यालोचनम्*** समीक्षात्मको भागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७५.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. ***पुराणपर्यालोचन*** समीक्षात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५

(७) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं ***पुराणपर्यालोचनम्*** गवेषणात्मको भागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्,१९७६.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. ***पुराणपर्यालोचन*** गवेषणात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.

(८) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(९) कामिलबुल्केकृता '***रामकथा¦ उत्पत्ति और विकास***' इति. प्रयागविश्वविद्यालयः¦ हिन्दीपरिषद् , १९९७.

कामिलबुल्के. ***रामकथा: उत्पत्ति और विकास.*** प्रयाग विश्वविद्यालय¦ हिन्दी परिषद्, १९९७.

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वालः), उत्तराखण्डः
संस्कृतविषये एम.ए.प्रथमषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

एम.ए. द्वितीयं षाण्मासिकं सत्रम्

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

सूचना

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय ४०+६०=१०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु ४० अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) ६० अङ्काश्च षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए ४०+६०= १०० पूर्णाङ्क हैं। इनमें से ४० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और ६० अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C007 **CREDITS 03**

प्रथमं प्रश्नपत्रम्— उपनिषद् वैदिकवाङ्मयेतिहासश्च **पूर्णाङ्काः ६०**

प्रथम प्रश्नपत्र— उपनिषद् और वैदिक वाङ्मय का इतिहास

(क) ***तैत्तिरीयोपनिषत्*** ३०

तैत्तिरीयोपनिषत्

(ख) ***वैदिकवाङ्मयेतिहासः*** ३०

वैदिक वाङ्मय का इतिहास

सहायका ग्रन्थाः

(१) भगवद्दत्तकृतः '***वैदिक वाङ्मय का इतिहास***' इति. नवा दिल्ली¦ प्रणवप्रकाशनम्. १/२८ पंजाबीबागः.

भगवद्दत्त. ***वैदिक वाङ्मय का इतिहास.*** नई दिल्ली¦ प्रणव प्रकाशन. १/२८ पंजाबी बाग.

(२) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः '***वैदिक साहित्य और संस्कृति***' इति. काशी¦ शारदामन्दिरम्, १९६७.

उपाध्याय, बलदेव. ***वैदिक साहित्य और संस्कृति.*** काशी¦ शारदा मन्दिर, १९६७.

(३) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(४) मैक्डोनलोपाह्वएकृतः ***'ए हिस्ट्री ऑफ़ संस्कृत लिटरेचर***' इति. न्यू यार्क¦ डी. ऐप्पलटन एन्ड कम्पनी, १९००.

Macdonnel, A. ***A History of Sanskrit Literature.*** New York: D. Appleton and Company, 1900.

(५) वेबरोपाह्वएकृतः '***द हिस्ट्री ऑफ़ इन्डियन लिटरेचर***' इति. अनुवादकः जॉन मान एण्ड थियोडोर जैकराइअस. लन्दनम्¦ कीगन पॉल. ट्रेन्च. ट्रूबनर एन्ड कम्पनी लिमिटेड, १९१४.

Weber, A. ***The History of Indian Literature.*** Tran. John Mann and Theodor Zachariaes. London: Kegan Paul. Trench. Trubner & Com. Ltd, 1914.

(६) विन्टरनित्जोपाह्वएमकृतः ***'जेशिस्टे डर इन्डिशे लिटरातुर***' इति. अंग्रेज्याम् अनुवादः ***'ए हिस्ट्री ऑफ़ इन्डियन लिटरेचर***' इति. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, २०१०.

Winternitz, M. ***Geschichte der Indischen Litteratur. Eng.Tran.A History of Indian Literature.*** Delhi: Moti Lal Banarasidass. 2010.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C008 **CREDITS 03**

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्— संस्कृतमहाकाव्यम् **पूर्णाङ्काः ६०**

द्वितीय प्रश्नपत्र— संस्कृत महाकाव्य

(क) माघकृतौ ***शिशुपालवधे*** प्रथमसर्गः ३०

माघ. ***शिशुपालवध*** प्रथमसर्ग

(ख) अश्वघोषकृतौ ***बुद्धचरिते*** प्रथमद्वितीयौ सर्गौ ३०

अश्वघोष. ***बुद्धचरित*** प्रथम और द्वितीय सर्ग

सहायका ग्रन्थाः

(१) माघकृतम् ***शिशुपालवधम्*** मल्लिनाथसूरिकृतसर्वङ्कषया टीकयोपेतम्. मुंबई¦ खेमराजः श्रीकृष्णदासः वेङ्कटेश्वरस्टीम्मुद्रणालयः.

माघ. ***शिशुपालवध.*** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित. मुंबई¦ खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर स्टीम् मुद्रणालय.

(२) माघकृते ***शिशुपालवधे*** मल्लिनाथसूरिकृतसर्वङ्कषया टीकयोपेते प्रथमसर्गः. व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. देवनारायणमिश्रः. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९९३.

माघ. ***शिशुपालवध*** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित प्रथम सर्ग. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. देवनारायणमिश्र. मेरठ¦ साहित्य भण्डार सुभाषबाज़ार, १९९३.

(३) अश्वघोषकृतं ***बुद्धचरितम्*** प्रकाशहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः महन्तः श्रीरामचन्द्रदासः शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, १९९५.

अश्वघोष. ***बुद्धचरित*** प्रकाशहिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार महन्त श्रीरामचन्द्र दास शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, १९९५.

(४) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C009 **CREDITS 03**

तृतीयं प्रश्नपत्रम्— भारतीयदर्शनम् **पूर्णाङ्काः ६०**

तृतीय प्रश्नपत्र— भारतीय दर्शन

(क) सदानन्दयोगीन्द्रकृतः ***वेदान्तसारः*** ३०

सदानन्दयोगीन्द्र. ***वेदान्तसार***

(ख) लौगाक्षिभास्करकृतः ***अर्थसङ्ग्रहः*** १५

लौगाक्षिभास्कर. ***अर्थसङ्ग्रह***

(ग) ***भारतीयदर्शनेतिहासः*** १५

भारतीय दर्शन का इतिहास

सहायका ग्रन्थाः

(१) सदानन्दकृतः ***वेदान्तसारः.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च गजाननः शास्त्री मुसलगाँवकरः. वाराणसी¦ चौखम्बाकृष्णदासअकादमी. विक्रमसंवत्सरः २०५८.

सदानन्द. ***वेदान्तसार.*** व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी¦ चौखम्बा कृष्णदास अकादमी. विक्रम संवत्सर २०५८.

(२) सदानन्दकृतः ***वेदान्तसारः.*** रामतीर्थकृतविद्वन्मनोरञ्जनीटीकोपेतः. सम्पादकः रामगोविन्दशुक्लः. दिल्ली¦ भारतीयविद्याप्रकाशनम्, १९९०.

सदानन्द. ***वेदान्तसार.*** रामतीर्थकृत विद्वन्मनोरञ्जनी टीका सहित. सम्पादक रामगोविन्द शुक्ल . दिल्ली¦ भारतीय विद्या प्रकाशन, १९९०.

(३) लौगाक्ष्युपाह्वभास्करकृतः ***अर्थसंग्रहः*** प्रकाशिकया हिन्दीव्याख्ययोपेतः. व्याख्याकारः सम्पादकश्च कामेश्वरनाथमिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २०१०.

लौगाक्षी, भास्कर. ***अर्थसंग्रह*** प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक कामेश्वरनाथ मिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०१०.

(४) मिश्रोपाह्वोमेशकृतं ***भारतीयदर्शनम्*** लखनऊः¦ हिन्दीसमितिग्रन्थमाला १०,१९६४.

मिश्र, उमेश. ***भारतीयदर्शन.*** लखनऊ¦ हिन्दी समिति ग्रन्थमाला १०, १९६४.

(५) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतं ***भारतीयदर्शनम्,*** वाराणसी¦ शारदामन्दिरम्, १९७१.

उपाध्याय, बलदेव. ***भारतीय दर्शन.*** वाराणसी¦ शारदा मन्दिर,१९७१.

(६) हिरियन्नोपाह्वमैसोरकृत '***आउट लाइन्ज ऑफ़ इन्डियन फ़िलासफी***' इति. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९९३. हिन्द्याम् अनुवादः '***भारतीय दर्शन की रूपरेखा***' इति. अनुवादकाः डॉ. गोवर्धनभट्टः, श्रीमती मञ्जुगुप्ता, सुखवीरः चौधरीः च. नवा दिल्ली¦ राजकमलप्रकाशनम् ,१९९३.

Hiriyanna, Mysore. ***Outlines of Indian Philosophy***. Delhi**:** Motilal Banarasidass, 1993.

(७) दासगुप्तोपाह्वसुरेन्द्रनाथकृतः '***ए हिस्ट्री ऑफ़ इन्डियन फ़िलासफी***' इति. दिल्ली¦ कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेसः. हिन्द्याम् अनुवादः '***भारतीय दर्शन का इतिहास***' इति. अनुवादकाः ए.यू. वसावड़ाः, डॉ. मोहनलाल इत्यादयः जयपुरम्¦ राजस्थान- हिन्दी- ग्रन्थ- अकादमी.

Dasgupta, Surendra Nath. ***A History of Indian Philosophy***. Delhi¦ Cambridge University Press.

(८) सर्वपल्लीराधाकृष्णनकृतः '***इन्डियन फ़िलासफ़ी***' इति. अनुवादः**.** '***भारतीयदर्शन***' इति. अनुवादकः नन्दकिशोरः गोभिलः. दिल्ली¦ राजपाल एण्ड सन्स. कश्मीरी गेटः.

Radha Krishanan, S. ***Indian Philosophy***. Delhi: Cambridge University Press.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C010 **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— भाषाविज्ञानम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— भाषाविज्ञान

(क) **भाषा**— भाषाया व्यापकोऽर्थः, भाषाविज्ञानदृशा भाषाया अर्थः, भाषाया लक्षणम्, भाषायाः प्रकृतिः, भाषापरिवर्तनस्य कारणानि, भाषाया विविधा भेदा यथा— भाषा, विभाषा, बोली इति। भाषोत्पत्तिविषयकाणि विविधमतानि। भाषाणां वर्गीकरणम्। वर्गीकरणस्याधाराः, आकृतिमूलकं पारिवारिकं च वर्गीकरणम्, भारोपीयभाषापरिवारस्य सामान्यपरिचयः, भारोपीयभाषापरिवारान्तर्गतस्य आर्यपरिवारस्य सामान्यपरिचयः, भारोपीयभाषापरिवारान्तर्गतार्यपरिवारस्थभाषाणां विशेषाध्ययनम्, अवेस्तासंस्कृतयोस्तुलना, वैदिकसंस्कृतस्य लौकिकसंस्कृतस्य च तुलना, भारतीयार्यभाषाणां वैदिकसंस्कृतादपभ्रंशपर्यन्तो विकासः। भाषाविज्ञानस्य लक्षणम्, भाषाविज्ञानस्य विविधैः शास्त्रैः सह सम्बन्धः। भाषाविज्ञानस्य अध्ययनक्षेत्रम्। भाषाविज्ञाने भाषाणामध्ययनस्य पद्धतयः यथा— समकालिका (वर्णनात्मक-संरचनात्मकभेदयुता), ऐतिहासिकी, तुलनात्मिका, प्रायोगिका चेति। ३०

भाषा— भाषा का व्यापक अर्थ, भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषा का अर्थ, भाषा का लक्षण, भाषा की प्रकृति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध भेद यथा— भाषा, विभाषा, बोली। भाषा की उत्पत्ति से सम्बन्धित विविध मत। भाषाओं का वर्गीकरण। वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार की भाषाओं का विशेष अध्ययन, अवेस्ता और संस्कृत की तुलना, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की तुलना, भारतीय आर्य भाषाओं का वैदिक संस्कृत से अपभ्रंश तक का विकास। भाषाविज्ञान का लक्षण, भाषाविज्ञान का विविध शास्त्रों से सम्बन्ध। भाषाविज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र। भाषाविज्ञान में भाषाओं के अध्ययन की पद्धतियां यथा— समकालिक (वर्णनात्मक और संरचनात्मक भेद सहित), ऐतिहासिक,

तुलनात्मक और प्रायोगिक।

(ख) **ध्वनिविज्ञानम्**— ध्वनेर्लक्षणम्, ध्वनिग्रामः, मानवीयवाग्यन्त्रमधिकृत्य ध्वनेरुच्चारणस्य स्थानानि प्रयत्नाश्च, स्वरा व्यञ्जनानि च, संस्कृतध्वनीनामुच्चारणस्थानं प्रयत्नं चाश्रित्य वर्गीकरणम्, ध्वनिपरिवर्तनस्य दिशः कारणानि च। ध्वनिपरिवर्तनविषयकनियमा यथा— ग्रिमनियमः ग्रासमाननियमः वर्नरनियमश्च। १५

ध्वनिविज्ञान— ध्वनि का लक्षण, ध्वनिग्राम, मानवीय वाग्यन्त्र के आधार पर ध्वनियों के उच्चारण स्थान और प्रयत्न, स्वर और व्यञ्जन, संस्कृत ध्वनियों का उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण, ध्वनिपरिवर्तन की दिशाएं और कारण। ध्वनि परिवर्तन से सम्बन्धित ध्वनि नियम यथा— ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम और वर्नर नियम।

(ग) **अर्थविज्ञानम्**— अर्थबोधसाधनानि, अर्थपरिवर्तनस्य कारणानि दिशश्च। १५

अर्थविज्ञान— अर्थबोध के साधन, अर्थपरिवर्तन के कारण और दिशाएं।

सहायका ग्रन्थाः

(१) कर्णसिंहकृतं ***भाषाविज्ञानम्.*** मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाजारः.
कर्णसिंह. ***भाषाविज्ञान.*** मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार.

(२) तिवार्युपाह्वभोलानाथकृतं ***भाषाविज्ञानम्.*** इलाहाबादम्¦ किताबमहलम्.
तिवारी, भोलानाथ. ***भाषाविज्ञान.*** इलाहाबाद¦ किताब महल.

(३) कपिलदेवकृतं ***भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र*** इति. वाराणसी¦ विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २०१२.
कपिलदेव. ***भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र***. वाराणसी¦ विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०१२.

(४) गुणेइत्युपाह्वपाण्डुरङ्गदामोदरकृतं ***'ऐन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फ़िलोलेजी'*** इति. दिल्ली¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम् ३८ यू.ए. बंग्लो मार्गः जवाहरनगरम्, २००५.
Gune, P.D. ***An Introduction to Comparative Philology.*** Delhi: Chaukhamba Sanskrit Pratishthan. 38 U.A. Bungalow Road. Jawahar Nagar, 2005.

(५) ब्लूमफील्डोपाह्वलिओनार्डकृतः ***लैङ्ग्विजः.*** न्यू यार्क¦ हॉल्ट रिनेहार्टः एण्ड

विन्सटनः, १९३३.

Bloomfield, leonard. ***Language***. New York: Holt, Rinehart and Winston, 1933.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C011 **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— धर्मशास्त्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— धर्मशास्त्र

(क) ***मनुस्मृतौ*** पञ्चम- षष्ठ- सप्तमा अध्यायाः ३०

मनुस्मृति पञ्चम, षष्ठ और सप्तम अध्याय

(ख) ***याज्ञवल्क्यस्मृतौ*** द्वितीयो व्यवहाराध्यायः ३०

याज्ञवल्क्यस्मृति द्वितीय व्यवहाराध्याय

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***मनुस्मृतिः*** कुल्लूकभट्टकृतमन्वर्थमुक्तावल्या टीकया शिवराजाचार्यकौण्डायनकृतहिन्द्यनुवादेनोपेता च. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवनम्, २००७.

मनुस्मृति कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवन, २००७.

(२) ***मनुस्मृतिः.*** सम्पादकः राजवीरः शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष-साहित्य-प्रचार-ट्रस्टः, १९८५.

मनुस्मृति. सम्पादक राजवीर शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.

(३) ***याज्ञवल्क्यस्मृतिः*** विज्ञानेश्वरप्रणीतमिताक्षरासहिता. हिन्दीव्याख्याकारः उमेशचन्द्रः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६५.

याज्ञवल्क्यस्मृति. विज्ञानेश्वरप्रणीत मिताक्षरा टीकासहित, हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६५.

(४) ***याज्ञवल्क्यस्मृतिः.*** टीकाकारः सम्पादकश्च नारायण आचार्यः. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्स ११ए/यू०ए०जवाहरनगरम्,१९८३.

(५) ***याज्ञवल्क्यस्मृति.*** टीकाकार और सम्पादक नारायण आचार्य. दिल्ली¦ नाग

पब्लिशर्स११ए/यू०ए०जवाहरनगरम,१९८३.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C012 **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— पुराणेतिहासौ **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— पुराणेतिहास

(क) ***विष्णुपुराणे*** प्रथमांशे प्रथमाध्यायात् पञ्चमाध्यायपर्यन्तम् ३०

विष्णुपुराण प्रथम अंश के प्रथम अध्याय से पञ्चम अध्याय तक

(ख) ***महाभारते*** शान्तिपर्वणि राजधर्मानुशासने पञ्चाशत्तमादध्यायात् सप्ततितमाध्यायपर्यन्तम् ३०

महाभारत शान्तिपर्व के राजधर्मानुशासन के ५०वें अध्याय से ७०वें अध्याय तक

सहायका ग्रन्थाः

(१) व्यासकृतं ***विष्णुपुराणम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, विक्रमसंवत्सरः २०४४.

व्यास. ***विष्णुपुराण.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०४४.

(२) व्यासकृतं ***विष्णुपुराणम्.*** सम्पादकः डॉ. राजेन्द्रलालः. देहली¦ नाग पब्लिशर्स ११ए/यू०ए०जवाहरनगरम्,१९८३.

व्यास. ***विष्णुपुराण.*** सम्पादक डॉ. राजेन्द्रलाल. देहली¦ नाग पब्लिशर्स ११ए/यू०ए०जवाहरनगर,१९८३.

(३) व्यासकृतं ***महाभारतम्.*** सम्पादकमण्डलम् वी. एस. सूकथङ्करः, ए. एडगर्टनः, रघुवीरः, एस. के. बेलवल्करः, पी. एल. वैद्यः., आर. एन. दाण्डेकरः, एच. डी. बेलङ्करः, पी. जी. पराञ्पे, आर. डी. करमाकरश्च. पुणे¦ भाण्डारकरप्राच्यविद्यामन्दिरम्, १९३३-१९५९.

व्यास. ***महाभारत*** सम्पादकमण्डल वी. एस. सूकथङ्कर, ए. एडगर्टन, रघुवीर, एस. के. बेलवल्कर, पी. एल. वैद्य, आर. एन. दाण्डेकर, एच. डी. बेलङ्कर, पी. जी. पराञ्पे और आर. डी. करमाकर. पुणे¦ भाण्डारकर प्राच्य विद्यामन्दिर, १९३३-१९५९.

(४) व्यासकृतं ***महाभारतम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, विक्रमसंवत्सरः २०५५.

व्यास. ***महाभारत.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५५.

(५) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः ***पुराण-विमर्शः.*** वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्,१९७८.

उपाध्याय, बलदेव. ***पुराण-विमर्श.*** वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, १९७८.

(६) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं ***पुराणपर्यालोचनम्*** समीक्षात्मकभागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७५.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. ***पुराणपर्यालोचन*** समीक्षात्मकभाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५.

(७) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं ***पुराणपर्यालोचनम्*** गवेषणात्मकभागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७६.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. ***पुराणपर्यालोचन*** गवेषणात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.

(८) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

एम.ए. तृतीयं षाण्मासिकं सत्रम्

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

सूचना

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय ४०+६०=१०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु ४० अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) ६० अङ्काश्च षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए ४०+६०= १०० पूर्णाङ्क हैं। इनमें से ४० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और ६० अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C013 **CREDITS 03**

प्रथमं प्रश्नपत्रम्— निबन्धः गढ़वालस्य च प्रमुखतीर्थस्थलानि पूर्णाङ्काः ६०

प्रथम प्रश्नपत्र— निबन्ध और गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ स्थल

(क) **निबन्धः** ३०

निबन्ध

(संस्कृते १५-१५ अङ्कमितौ द्वौ निबन्धौ संस्कृतवाङ्मयेन सम्बद्धौ भविष्यतः।)

(संस्कृत में १५-१५ अङ्कों के दो निबन्ध संस्कृत वाङ्मय से सम्बन्धित होंगे।)

(ख) **गढ़वालस्य प्रमुखतीर्थस्थलानि**— ३०

हरिद्वारम्, हृषीकेशः (ऋषिकेशः), देवप्रयागः, श्रीक्षेत्रम् (श्रीनगरम्), पञ्चबदर्यः, बदरीनाथः, केदारनाथः, तुङ्गनाथः, रुद्रनाथः, मध्यमेश्वरः, कल्पेश्वरः, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायणः, कालिमठः, गोस्थलम् (गोपेश्वरः), सूर्यप्रयागः (तिलवाड़ा), कर्णप्रयागः, नन्दादेवी नन्दाराजयात्रा च, रुद्रप्रयागः, गङ्गोत्तरी, यमुनोत्तरी, सौम्यकाशी (उत्तरकाशी= बाड़ाहाटः), टिहरी चेति।

गढवाल के प्रमुख तीर्थस्थल— हरिद्वार, हृषीकेश (ऋषिकेश), देवप्रयाग, श्रीक्षेत्र (श्रीनगर), पञ्चबदरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, तुङ्गनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमेश्वर, कल्पेश्वर, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, कालिमठ, गोपेश्वर, सूर्यप्रयाग (तिलवाड़ा), कर्णप्रयाग, नन्दादेवी और नन्दा की राजयात्रा, रुद्रप्रयाग, गङ्गोत्तरी, यमुनोत्तरी, सौम्यकाशी (उत्तरकाशी= बाड़ाहाट) और

टिहरी।

सहायका ग्रन्थाः

(१) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवाचार्यकृतं ***संस्कृत-निबन्ध-शतकम्.*** वाराणसी¦ चत्वरम्. विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, १९८४.

द्विवेदी, कपिलदेव आचार्य. ***संस्कृत-निबन्ध-शतक.*** वाराणसी¦ चौक. विश्वविद्यालय प्रकाशन, १९८४.

(२) राजकिशोरसिंह-धर्मेन्द्रनाथशास्त्रिकृतः ***संस्कृतनिबन्धरत्नाकरः.*** लखनऊः¦ न्यू बिल्डिंग्स. अमीनाबादम्.

राजकिशोरसिंह, धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री. ***संस्कृतनिबन्धरत्नाकर.*** लखनऊ¦ न्यू बिल्डिंग्स. अमीनाबाद.

(३) भारद्वाजोपाह्वशिवप्रसादकृतः ***संस्कृतनिबन्धरत्नाकरः***. दिल्ली¦ नई सड़कम् अशोकप्रकाशनम्.

भारद्वाज, शिवप्रसाद. ***संस्कृतनिबन्धरत्नाकर.*** दिल्ली¦ नई सड़क अशोक प्रकाशन.

(४) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृता ***प्रौढरचनानुवादकौमुदी***. वाराणसी¦ भैरवनाथः. विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २०११.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***प्रौढरचनानुवादकौमुदी***. वाराणसी¦ भैरवनाथ विश्वविद्यालय प्रकाशन,२०११.

(५) नौटियालोपाह्वहंसोपनामचक्रधरकृता ***बृहद्अनुवादचन्द्रिका.*** दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः. बंगलो मार्गः. जवाहरनगरम्. २०१३.

नौटियाल हंस, चक्रधर. ***बृहद्अनुवादचन्द्रिका.*** दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास. बंगलो मार्ग. जवाहरनगर,२०१३.

(६) ***श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गतकेदारखण्डः.*** रत्नप्रभाभाषाव्याख्यासहितः. व्याख्याकारः ब्रजरत्नभट्टाचार्यः. नन्दप्रयागः¦ प्रकाशकः महेशानन्दशर्म्मा भक्तिरसामृतकार्यालयः. मुद्रकः मुम्बई¦ खेमराज-कृष्णदासः श्रीवेंकटेश्वरस्टीमप्रेसः.पुनः प्रकाशितः नवदिल्लीतः¦ मोतीलालः बनारसीदासः.

श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गतकेदारखण्ड. रत्नप्रभाभाषाव्याख्या सहित. व्याख्याकार ब्रजरत्नभट्टाचार्य. नन्दप्रयाग¦ प्रकाशक महेशानन्दशर्म्मा भक्तिरसामृत कार्यालय. मुद्रक मुम्बई¦

खेमराज कृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस. पुनः प्रकाशित नई दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास.

(७) कृष्णकुमार-नैथान्युपाह्वशिवप्रसाद-लक्ष्मीचन्द्रशास्त्री-उप्रेत्युपाह्वजयदत्तकृतं ***गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ***इति. श्रीनगरम्¦ हे. न. ब. गढ़वाल विश्वविद्यालयः. संस्कृतविभागः, १९८१.

कृष्णकुमार. नैथानी, शिवप्रसाद. लक्ष्मीचन्द्रशास्त्री और उप्रेती जयदत्त. ***गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ.*** श्रीनगर¦ हे. न. ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग,१९८१.

(८) नैथान्युपाह्वशिवप्रसादकृतम् ***उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर*** इति. श्रीनगरम् गढ़वालः¦ पवेत्री प्रकाशनम् .रमेशभवनम्. भक्तियाना, १९९७.

नैथानी, शिवप्रसाद. ***उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर.*** श्रीनगर गढ़वाल¦ पवेत्री प्रकाशन. रमेश भवन. भक्तियाना, १९९७.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C014 **CREDITS 03**

द्वितीयं प्रश्नपत्रं— साहित्यशास्त्रं नाट्यशास्त्रं च **पूर्णाङ्काः ६०**

द्वितीय प्रश्नपत्र— साहित्यशास्त्र और नाट्यशास्त्र

(क) विश्वनाथकविराजकृतौ ***साहित्यदर्पणे*** प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ, तृतीयपरिच्छेदो रसनिष्पत्तिपर्यन्तः, षष्ठपरिच्छेदश्च ४५

विश्वनाथ कविराज. ***साहित्यदर्पण*** प्रथम, द्वितीय, तृतीय परिच्छेद रसनिष्पत्तिपर्यन्त और षष्ठ परिच्छेद

(ख) भरतमुनिकृते ***नाट्यशास्त्रे*** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ १५

भरतमुनि. ***नाट्यशास्त्र*** प्रथम और द्वितीय अध्याय

सहायका ग्रन्थाः

(१) विश्वनाथकविराजकृतः ***साहित्यदर्पणः*** लक्ष्मीटीकोपेतः. टीकाकारः श्रीकृष्णमोहनः शास्त्री.वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजम्,१९५५.

विश्वनाथकविराज. ***साहित्यदर्पण*** लक्ष्मीटीकायुक्त. टीकाकार श्रीकृष्णमोहन शास्त्री.वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज,१९५५.

(२) भरतमुनिकृतं ***नाट्यशास्त्रम्*** अभिनवभारतीसहितम्. संस्कर्ता आचार्यः विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणिः. दिल्ली¦ हिन्दीअनुसन्धानपरिषद् दिल्ली विश्वविद्यालयः.

भरतमुनि. ***नाट्यशास्त्र*** अभिनवभारतीसहित. संस्कर्ता आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. दिल्ली¦ हिन्दी अनुसन्धान परिषद् दिल्ली विश्वविद्यालय.

(३) भरतमुनिकृतं ***नाट्यशास्त्रम्*** प्रथमद्वितीयाध्यायात्मकम् प्रतिसंस्कर्ता डॉ. हरिदत्त शास्त्री. सम्पादकः डॉ. भवभूति शर्मा. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारम्, १९९५.

भरतमुनि. नाट्यशास्त्र प्रथम-द्वितीय अध्याय. प्रतिसंस्कर्ता डॉ. हरिदत्त शास्त्री. सम्पादक डॉ. भवभूति शर्मा. मेरठ साहित्य भण्डार, १९९५.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C015 **CREDITS 03**

तृतीयं प्रश्नपत्रम्— खण्डकाव्यं स्तोत्रकाव्यं च **पूर्णाङ्काः ६०**

तृतीय प्रश्नपत्र— खण्डकाव्य और स्तोत्रकाव्य

(क) कालिदासकृतं ***मेघदूतम्*** ४५

कालिदास. ***मेघदूत***

(ख) पुष्पदन्तकृतं ***महिम्नस्तोत्रम्*** १५

पुष्पदन्त. ***महिम्नस्तोत्र***

सहायका ग्रन्थाः

(१) कालिदासकृतं ***मेघदूतम्*** चन्द्रकलासंस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः शेषराजशर्मा रेग्मी. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००७.

कालिदास. ***मेघदूत*** चन्द्रकला संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार शेषराजशर्मा रेग्मी. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००७.

(२) कालिदासकृतं ***मेघदूतम्.*** सम्पादकौ संसारचन्द्र-मोहनदेवपन्तौ. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९९६.

कालिदास. ***मेघदूत.*** सम्पादक संसारचन्द्र और मोहनदेवपन्त. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, १९९६.

(३) कालिदासकृतं ***मेघदूतम्*** संस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतम्.व्याख्याकारः दयाशङ्करः शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २०१२.

कालिदास. ***मेघदूत*** संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार दयाशङ्कर शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०१२.

(४) कालिदासकृतम्. मेघदूतम्. अंग्रेजीभाषानुवादकः सम्पादकश्च एम. आर. काले. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः,२००२.

Kālidāsa. ***The Meghadūtam Eng.*** Tran. & Ed. M. R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2002.

(५) पुष्पदन्तकृतं ***महिम्नस्तोत्रम्*** मधुसूदनीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः मधुसूदनसरस्वती. सम्पादकः स्वामी रघुनाथगिरिः. कानपुरम्¦ लाला रामचन्द्रः गिरिधरभवनम् हटिया, १९६५.

पुष्पदन्त. महिम्नस्तोत्र मधुसूदनी व्याख्या सहित. व्याख्याकार मधुसूदन सरस्वती. सम्पादक स्वामी रघुनाथगिरि, कानपुर¦ लाला रामचन्द्र गिरिधर भवन हटिया, १९६५.

(६) पुष्पदन्तकृतं शिवमहिम्नस्तोत्रम्. गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, विक्रमसंवत्सरः २०५६.

पुष्पदन्त. शिवमहिम्नस्तोत्र गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.

ऐच्छिकः वर्गः

ऐच्छिक वर्ग

एम.ए.तृतीयषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायां एम.ए.चतुर्थषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायां च "Group A वर्गः ए- साहित्यम्, Group B वर्गः बी- दर्शनम्, Group C वर्गः सी- व्याकरणम्, Group D वर्गः डी- धर्मशास्त्रम्, Group E वर्गः ई- पुराणेतिहासौ, Group F वर्गः एफ- वेदः," चेत्येतेषु वर्गेषु कस्माच्चिदेकस्मादेव वर्गाच्चतुर्थं प्रश्नपत्रं, पञ्चमं प्रश्नपत्रं, षष्ठं प्रश्नपत्रं चेति चयनीयम्।

एम.ए. तृतीयषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षा और एम.ए. चतुर्थषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षा में "Group A वर्ग ए- साहित्य, Group B वर्ग बी- दर्शन, Group C वर्ग सी- व्याकरण, Group D वर्ग डी- धर्मशास्त्र, Group E वर्ग ई- पुराणेतिहास और Group F वर्ग एफ- वेद" इन वर्गों में से किसी एक ही वर्ग के चतुर्थ प्रश्नपत्र, पञ्चम प्रश्नपत्र और षष्ठ प्रश्नपत्र चयनित करने होंगे।

ऐच्छिकः वर्गः

ऐच्छिक वर्ग

Group A वर्गः ए— साहित्यम्

Group A वर्ग ए— साहित्य

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01A **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— नाटिका नाट्यशास्त्रं च पूर्णाङ्काः ६०

चतुर्थ प्रश्नपत्र— नाटिका और नाट्यशास्त्र

(क) हर्षदेवकृता ***रत्नावली*** ३०

हर्षदेव. ***रत्नावली***

(ख) धनञ्जयकृते ***दशरूपके*** प्रथमप्रकाशः द्वितीयप्रकाशश्च नायिकाभेदरहितः ३०

धनञ्जय. ***दशरूपक*** प्रथम प्रकाश और द्वितीय प्रकाश नायिकाभेद को छोड़कर

सहायका ग्रन्थाः

(१) हर्षदेवकृता ***रत्नावली.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. शिवप्रसादः शास्त्री. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारम्, १९९४.

श्रीहर्षदेव. ***रत्नावली.*** व्याख्याकर और सम्पादक डॉ. शिवप्रसाद शास्त्री. मेरठ¦ साहित्य भण्डार, १९९४.

(२) हर्षदेवकृता ***रत्नावली.*** अंग्रेजीभाषानुवादकः सम्पादकश्च एम. आर. काले. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९९६.

Harṣadeva. ***The Ratnāvalī*** Eng. Tran. & Ed. M. R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 1996.

(३) धनञ्जयकृतं ***दशरूपकम्.*** धनिककृतावलोकव्याख्योपेतम् चन्द्रकलाहिन्दीव्याख्यायुतम् च. हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च भोलाशङ्करः व्यासः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००६.

धनञ्जय. ***दशरूपक.*** धनिककृत अवलोकव्याख्या और भोलाशङ्करव्यास कृत चन्द्रकला हिन्दीव्याख्या सहित. हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक भोलाशङ्कर व्यास. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००६.

(४) धनञ्जयकृतं ***दशरूपकम्.*** हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च श्रीनिवासशास्त्री. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, २००३.

धनञ्जय. ***दशरूपक.*** हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक श्रीनिवास शास्त्री मेरठ¦ साहित्य भण्डार सुभाष बाज़ार, २००३.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02A **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— काव्यशास्त्रम् पूर्णाङ्काः ६०

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालयः, श्रीनगरम् (गढ़वालः), उत्तराखण्डः

संस्कृतविषये एम.ए.तृतीयषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

पञ्चम प्रश्नपत्र— काव्यशास्त्र

मम्मटकृते ***काव्यप्रकाशे*** ६०

प्रथमद्वितीयतृतीयचतुर्थाष्टमा उल्लासाः। नवमोल्लासस्य वक्रोक्तिः, अनुप्रासः, यमकं चेति अलङ्काराः। दशमोल्लासस्य उपमा, अनन्वयः, उत्प्रेक्षा, ससन्देहः, रूपकम्, अपह्नुतिः, समासोक्तिः, निदर्शना, दृष्टान्तः, तुल्ययोगिता, व्यतिरेकः, विभावना, विशेषोक्तिः, संसृष्टिः, संकरश्चेति अलङ्काराः।

मम्मट. ***काव्यप्रकाश***

प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, अष्टम उल्लास। नवम उल्लास के वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक अलङ्कार। दशम उल्लास के उपमा, अनन्वय, उत्प्रेक्षा, ससन्देह, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, निदर्शना, दृष्टान्त, तुल्ययोगिता, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, संसृष्टि और संकर अलंकार ।

सहायका ग्रन्थाः

(१) मम्मटकृतः ***काव्यप्रकाशः*** बालबोधिन्या टीकयोपेतः. टीकाकारः झळकीकरोपनामा भट्टवामनाचार्यः.पुणे¦ भाण्डारकरप्राच्यविद्यासंशोधन-मन्दिरम्, १९८३.

मम्मट. ***काव्यप्रकाश*** बालबोधिनी टीकासहित. टीकाकार भट्टवामनाचार्य झळकीकर. पुणे¦ भाण्डारकर-प्राच्यविद्या-संशोधन-मन्दिर, १९८३.

(२) मम्मटकृतः ***काव्यप्रकाशः*** हिन्दीव्याख्योपेतः. व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणिः. सम्पादको डॉ. नरेन्द्रः. वाराणसी¦ ज्ञानमण्डलम् लिमिटेड, संवत्सरः २०३१.

मम्मट. ***काव्यप्रकाश*** हिन्दीव्याख्यासहित. व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. सम्पादक डॉ. नरेन्द्र. वाराणसी¦ ज्ञानमण्डल लिमिटेड, संवत्सर २०३१.

(३) मम्मटकृतः ***काव्यप्रकाशः.*** हिन्द्यनुवादोपेतः व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. श्रीनिवासशास्त्री. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारम्,१९९४.

मम्मट. ***काव्यप्रकाश*** हिन्दी अनुवाद सहित. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. श्रीनिवासशास्त्री. मेरठ¦ साहित्यभण्डार,१९९४.

(४) मम्मटकृतः. काव्यप्रकाशः भागद्वयात्मकः सम्प्रदायप्रकाशिन्या टीकयोपेतः.

टीकाकारः श्रीविद्याचक्रवर्ती. अंग्रेज्यनुवादकः सम्पादकश्च डॉ. रमेशचन्द्रः द्विवेदी. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९७७- १९७०.

Mammata. Kāvyaprakāśa Vol.1&2 with the commentary Sampradāyaprakāśinī of Śrīvidyācakravartin. Eng. Tran. Dr. Ramesh Chandra Dwivedi. Delhi: Motilal Banarasidass, 1977-1970.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E 03A **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— गद्यकाव्यं चम्पूकाव्यं च **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— गद्यकाव्य और चम्पूकाव्य

(क) बाणभट्टकृतौ ***कादम्बर्यां*** कथामुखम् ३०

बाणभट्ट. ***कादम्बरी*** कथामुख

(ख) त्रिविक्रमभट्टकृतौ ***नलचम्प्वां*** प्रथम उच्छ्वासः ३०

त्रिविक्रमभट्ट. ***नलचम्पू*** प्रथम उच्छ्वास

सहायका ग्रन्थाः

(१) बाणभट्टकृता ***कादम्बरी*** चन्द्रकलाटीकोपेता. टीकाकार आचार्यः शेषराजशर्म्मा रेग्मीः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९९७.

बाणभट्ट. ***कादम्बरी*** चन्द्रकला टीका सहित. टीकाकार आचार्य शेषराजशर्म्मा रेग्मी. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९९७.

(२) बाणभट्टकृता ***कादम्बरी*** चन्द्रकला-विद्योतिनीव्याख्याद्वयोपेता. व्याख्याकारः श्रीकृष्णमोहनशास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, विक्रमसंवत्सरः २०६८.

बाणभट्ट. ***कादम्बरी*** चन्द्रकला और विद्योतिनी व्याख्या सहित. व्याख्याकार श्रीकृष्णमोहन शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, विक्रम संवत्सर २०६८.

(३) बाणभट्टकृता ***कादम्बरी*** कथामुखपर्यन्ता. भानुचन्द्र-सिद्धचन्द्रमणिकृतसंस्कृतटीकोपेता. हिन्द्यनुवादकः सम्पादकश्च रतिनाथः झाः. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, २०१३.

बाणभट्ट. ***कादम्बरी*** कथामुखपर्यन्ता. भानुचन्द्र और सिद्धचन्द्रमणिकृत संस्कृतटीका सहित. हिन्दी अनुवादक और सम्पादक रतिनाथ झा. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, २०१३.

(४) त्रिविक्रमभट्टकृता ***नलचम्पूः*** हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च परमेश्वरादीनः पाण्डेयः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २०००.

भट्ट त्रिविक्रम. ***नलचम्पू*** हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक परमेश्वरादीन पाण्डेय. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०००.

(५) त्रिविक्रमभट्टकृता ***नलचम्पूः*** संस्कृत-हिन्दीटीकायुता. टीकाकारः डॉ रामनाथः वेदालङ्कारः. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९७५.

त्रिविक्रमभट्ट. ***नलचम्पू*** संस्कृत-हिन्दीटीका सहित. टीकाकार डॉ रामनाथ वेदालङ्कार. मेरठ¦ साहित्य भण्डार सुभाष बाज़ार, १९७५.

Group B वर्गः बी– दर्शनम्

Group B वर्ग बी– दर्शन

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01B **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— सांख्यसूत्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— सांख्यसूत्र

कपिलमुनिकृतं ***सांख्यसूत्रम्*** ६०

कपिलमुनि. ***सांख्यसूत्र***

सहायको ग्रन्थः

(१) कपिलमुनिकृतं ***सांख्यदर्शनसूत्रम्*** विज्ञानभिक्षुकृतसांख्यप्रवचनभाष्यस्य प्रदीपहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६३.

कपिलमुनि. ***सांख्यदर्शन*** विज्ञानभिक्षुकृत सांख्यप्रवचनभाष्य की प्रदीप हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६३.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02B **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— न्यायसूत्रं वैशेषिकसूत्रं च **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— न्यायसूत्र और वैशेषिकसूत्र

(क) गौतमकृते ***न्यायसूत्रे*** प्रथम अध्यायः ३०

गौतम. ***न्यायसूत्र*** प्रथम अध्याय

(ख) कणादकृते ***वैशेषिकसूत्रे*** प्रथम अध्यायः शङ्करमिश्रकृतोपस्कारसहितः ३०

कणाद. ***वैशेषिकसूत्र*** प्रथम अध्याय, शङ्करमिश्रकृत उपस्कारसहित

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) गोतमकृतं ***न्यायदर्शनम्*** वात्सायनभाष्योपेतम्. ढुण्डिराजशास्त्रिकृत-प्रकाशिकया टीकायोपेतम्. सम्पादकः नारायणमिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्भा संस्कृतभवनम्, विक्रमसंवत्सरः २०६४.

गोतम. ***न्यायदर्शन*** वात्सायनभाष्य सहित ढुण्डिराजशास्त्रिकृत प्रकाशिका टीका सहित. सम्पादक नारायणमिश्र. वाराणसी¦ चौखम्भा संस्कृतभवन, विक्रम संवत्सर २०६४.

(२) कणादकृतं ***वैशेषिकसूत्रम्*** उपस्कारसहितम् प्रकाशिकाहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च ढुण्डिराजः शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६४.

कणाद. ***वैशेषिकसूत्र*** उपस्कारसहित. प्रकाशिका हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक ढुण्डिराज शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६४.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E03B **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यं, मीमांसासूत्रं च **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य और मीमांसासूत्र

(क) ***ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्ये*** प्रथमाध्याये प्रथमद्वितीयौ पादौ ३०

ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य प्रथम अध्याय के प्रथम और द्वितीय पाद

(ख) जैमिनिकृते ***मीमांसासूत्रे*** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ ३०

जैमिनि. ***मीमांसासूत्र*** प्रथम और द्वितीय अध्याय

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च स्वामी सत्यानन्दः सरस्वती. दिल्ली¦ चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, २००७.

ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य. व्याख्याकार और सम्पादक स्वामी सत्यानन्द सरस्वती. दिल्ली¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, २००७.

(२) ***ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च हनुमान् दासः षट्शास्त्री वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम्, २००३.

ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्य. व्याख्याकार और सम्पादक हनुमान दास षट्शास्त्री . वाराणसी¦ चौखम्बा

संस्कृत प्रतिष्ठान, २००३.

(३) ***मीमांसाशाबरभाष्यम्*** आर्षमतविमर्शिन्या हिन्दीव्याख्ययोपेतम्. व्याख्याकारः युधिष्ठिरमीमांसकः. बहालगढ़ः सोनीपथः हरियाणा¦ रामलाल-कपूर-ट्रस्टः, १९८०.

मीमांसाशाबरभाष्य आर्षमतविमर्शिनी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार युधिष्ठिरमीमांसक. बहालगढ़ सोनीपथ हरियाणा¦ रामलाल कपूर ट्रस्ट, १९८०.

Group C वर्गः सी– व्याकरणम्

Group C वर्ग सी– व्याकरण

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01C/ Kaumudī **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्– वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां पूर्वार्द्धः– १ **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र– वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्द्ध– १

भट्टोजिदीक्षितकृतौ ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां पूर्वार्द्धे***

संज्ञाप्रकरणात् स्त्रीप्रत्ययप्रकरणपर्यन्तम् ६०

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्द्ध*** संज्ञाप्रकरण से स्त्रीप्रत्ययप्रकरण तक

अथ वा

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01C/ Kāśikā **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्– जयादित्य-वामनकृतौ ***काशिकायां*** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र– जयादित्य-वामन. ***काशिका*** प्रथम और द्वितीय अध्याय

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) भट्टोजिदीक्षितकृता ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत-बालमनोरमोपेता. सम्पादको गोपालशास्त्री नेने इति. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०५०.

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपाल शास्त्री नेने. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०५०.

(२) जयादित्य-वामनकृता ***काशिका.*** सम्पादकः शोभितमिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफ़िसम्, १९५२.

जयादित्य और वामन. ***काशिका.*** सम्पादक शोभित मिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस, १९५२.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02C/ Kaumudī **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्– वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां पूर्वार्द्धः- २ **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र– वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्द्ध-२

भट्टोजिदीक्षितकृतौ ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां पूर्वार्द्धे*** अव्ययीभावसमासप्रकरणाद् द्विरुक्तप्रकरणपर्यन्तम् **६०**

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्द्ध*** अव्ययीभावसमासप्रकरण से द्विरुक्तप्रकरण तक

अथ वा

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02C/ Kāśikā **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्– जयादित्य-वामनकृतौ ***काशिकायां*** तृतीयचतुर्थौ अध्यायौ **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र– जयादित्य-वामन. ***काशिका*** तृतीय और चतुर्थ अध्याय

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) भट्टोजिदीक्षितकृता ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत-बालमनोरमोपेता. सम्पादको गोपालशास्त्री नेने इति. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०५०.

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपाल शास्त्री नेने. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०५०.

(२) जयादित्य-वामनकृता ***काशिका.*** सम्पादकः शोभितमिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफ़िसम्, १९५२.

जयादित्य और वामन. ***काशिका.*** सम्पादक शोभित मिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस, १९५२.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E03C/ Kaumudī **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्– वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याम् उत्तरार्द्धः **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठप्रश्नपत्र–वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीउत्तरार्द्ध

भट्टोजिदीक्षितकृतौ ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याम् उत्तरार्द्धे*** भ्वादिप्रकरणाज्जुहोत्यादिपर्यन्तम् ६०

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीउत्तरार्द्ध*** भ्वादिप्रकरण से जुहोत्यादि तक

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E03C/ Kāśikā **CREDITS 03**

अथ वा

षष्ठं प्रश्नपत्रम्– जयादित्य-वामनकृतौ ***काशिकायां*** पञ्चमषष्ठौ अध्यायौ ६०

षष्ठप्रश्नपत्र–जयादित्य-वामन. ***काशिका*** पञ्चम और षष्ठ अध्याय

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) भट्टोजिदीक्षितकृता ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत-बालमनोरमोपेता. सम्पादको गोपालशास्त्री नेने इति. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०५०.

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपाल शास्त्री नेने. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०५०.

(२) जयादित्य-वामनकृता ***काशिका.*** सम्पादकः शोभितमिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत-सीरिज-ऑफ़िसम्, १९५२.

जयादित्य और वामन. ***काशिका.*** सम्पादक शोभित मिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस, १९५२.

Group D वर्गः डी– धर्मशास्त्रम्

Group D वर्ग डी– धर्मशास्त्र

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01D **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— मनुस्मृतिः याज्ञवल्क्यस्मृतिश्च **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— मनुस्मृति और याज्ञवल्क्यस्मृति

(क) ***मनुस्मृतौ*** तृतीयचतुर्थाष्टमनवमा अध्यायाः ४५

मनुस्मृति तृतीय, चतुर्थ, अष्टम, नवम अध्याय

(ख) ***याज्ञवल्क्यस्मृतौ*** तृतीयः प्रायश्चित्ताध्यायः १५

याज्ञवल्क्यस्मृति तृतीय प्रायश्चित्ताध्याय

सहायका ग्रन्थाः

(४) ***मनुस्मृतिः*** कुल्लूकभट्टकृतमन्वर्थमुक्तावल्या टीकया हिन्द्यनुवादयुता च. परिमार्जकोऽनुवादकश्च शिवराज आचार्यः कौण्डायनः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००७.

मनुस्मृति मन्वर्थमुक्तावली टीका सहित. टीकाकार कुल्लूकभट्ट. परिमार्जक और हिन्दी अनुवादक शिवराज आचार्य कौण्डायन. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,२००७.

(५) ***मनुस्मृतिः.*** सम्पादकः राजवीरः शास्त्री. दिल्ली¦ आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टम्, १९८५.

मनुस्मृति. सम्पादक राजवीर शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.

(६) ***याज्ञवल्क्यस्मृतिः*** विज्ञानेश्वरप्रणीतमिताक्षरासहिता. हिन्दी व्याख्याकारः उमेशचन्द्रः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्.विक्रमसंवत्सरः २०६५.

याज्ञवल्क्यस्मृति मिताक्षरा टीका सहित. टीकाकार विज्ञानेश्वर. हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान. विक्रम संवत्सर २०६५.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02D **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्– वीरमित्रोदयः शुक्रनीतिश्च **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र– वीरमित्रोदय और शुक्रनीति

(क) ***वीरमित्रोदये*** व्यवहारप्रकाशः ४५

वीरमित्रोदय व्यवहारप्रकाश

(ख) ***शुक्रनीतिः*** १५

शुक्रनीति

सहायका ग्रन्थाः

(१) महामहोपाध्यायमित्रमिश्रकृते ***वीरमित्रोदये*** व्यवहारप्रकाशः. सम्पादको

विष्णुप्रसादो भाण्डारी. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफ़िसम्.

महामहोपाध्याय मित्रमिश्र. ***वीरमित्रोदय*** व्यवहारप्रकाश. सम्पादक विष्णुप्रसाद भाण्डारी. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस.

(२) ***शुक्रनीतिः*** विमलासंस्कृतहिन्दीव्याख्याभ्यां समुपबृंहिता. समुपबृंहको जगदीशचन्द्रमिश्रः वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९९८.

शुक्रनीति विमला संस्कृत और हिन्दीव्याख्या से समुपबृंहित. समुपबृंहक जगदीशचन्द्र मिश्र वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९९८.

(३) ***शुक्रनीतिः*** विद्योतिन्या हिन्दीव्याख्ययोपेता. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थानम्, २०६८.

शुक्रनीति विद्योतिनी हिन्दीव्याख्या सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, २०६८.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E03D **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— कौटलीयम् अर्थशास्त्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— कौटलीय अर्थशास्त्र

कौटलीयम् अर्थशास्त्रम् ६०

कौटलीय अर्थशास्त्र

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) कौटलीयम् ***अर्थशास्त्रम्*** हिन्द्यनुवादोपेतम्. अनुवादको भाष्यकारश्च रघुनाथसिंहः.वाराणसी¦ कृष्णदाससंस्कृतसीरिजम्.

कौटलीय ***अर्थशास्त्र*** हिन्दी अनुवाद सहित. अनुवादक और भाष्यकार रघुनाथसिंह. वाराणसी¦ कृष्णदास संस्कृत सीरिज.

(२) कौटलीयम् ***अर्थशास्त्रम्*** हिन्द्यनुवादसहितम्. अनुवादको भाष्यकारश्च वाचस्पतिः गैरोलाः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००९.

कौटलीय ***अर्थशास्त्र*** हिन्दी अनुवाद सहित. अनुवादक और भाष्यकार वाचस्पति गैरोला. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००९.

Group E वर्गः ई– पुराणेतिहासौ

Group E वर्ग ई– पुराणेतिहास

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01E **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— पुराणवाङ्मयेतिहासः **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— पुराणवाङ्मय का इतिहास

पुराणशब्दस्यार्थः, पुराणस्य पञ्चलक्षणम्— सर्गः, प्रतिसर्गः, वंशः, मन्वन्तरं, वंश्यानुचरितं चेति। पुराणानां रचयितारः, वक्तारः, श्रोतारश्च। पुराणानां वर्गीकरणम्— महापुराणानि, उपपुराणानि, औपपुराणानि, उपौपपुराणानि, सात्त्विकपुराणानि, राजसपुराणानि, तामसपुराणानि चेति। पौराणिको धर्मः संस्कृतिश्च। पुराणैर्वेदानामुपबृंहणम्। पुराणानां भाषा शैली च। ६०

पुराण शब्द का अर्थ, पुराण के पञ्चलक्षण— सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंश्यानुचरित। पुराणों के रचयिता, वक्ता और श्रोता। पुराणों का वर्गीकरण— महापुराण, उपपुराण, औपपुराण, उपौपपुराण, सात्त्विक पुराण, राजस पुराण और तामस पुराण। पौराणिक धर्म और संस्कृति। पुराणों द्वारा वेदार्थोपबृंहण। पुराणों की भाषा और शैली।

सहायका ग्रन्थाः

(१) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः ***पुराण–विमर्शः.*** वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवनम्, १९७८.

उपाध्याय, बलदेव. ***पुराण–विमर्श.*** वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, १९७८.

(२) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं ***पुराणपर्यालोचनम्*** समीक्षात्मको भागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७५.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. ***पुराणपर्यालोचन*** समीक्षात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५.

(३) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं ***पुराणपर्यालोचनम्*** गवेषणात्मको भागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७६.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. ***पुराणपर्यालोचन*** गवेषणात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02E **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— पद्ममहापुराणम् **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— पद्ममहापुराण

पद्ममहापुराणे पातालखण्डः उत्तरखण्डश्च ६०

पद्ममहापुराण पातालखण्ड और उत्तरखण्ड

सहायको ग्रन्थः

(१) **व्यासकृतं *पद्ममहापुराणम्.*** सम्पादकः मनसुखरायः मोरः. पूना¦ आनन्दाश्रमसंस्कृतगन्थमाला, १९२१.

व्यास. *पद्ममहापुराण.* सम्पादक मनसुखराय मोर. पूना¦ आनन्दाश्रम संस्कृत गन्थमाला, १९२१.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E03E **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— स्कन्दमहापुराणम् **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— स्कन्दमहापुराण

स्कन्दमहापुराणे माहेश्वरखण्डः काशीखण्डश्च ६०

स्कन्दमहापुराण माहेश्वरखण्ड और काशीखण्ड

सहायको ग्रन्थः

(१) ***स्कन्दमहापुराणम्.*** भूमिकालेखकः पुष्पेन्द्रकुमारः. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्ज ११ए/यू०ए० जवाहरनगरम्, १९८४.

स्कन्दमहापुराण. भूमिकालेखक पुष्पेन्द्रकुमार. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्ज ११ए/यू०ए० जवाहर नगर, १९८४.

Group F वर्गः एफ– वेदः

Group F वर्ग एफ– वेद

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E01F **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— ऋक्सूक्तम्, ऐतरेयब्राह्मणं च **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— ऋक्सूक्त और ऐतरेयब्राह्मण

(क) ***ऋग्वेदे प्रथममण्डलस्य सूक्तानि—*** ४५

इन्द्रसूक्तम् १.४, ऋभवसूक्तम् १.२०, अश्विसूक्तम् १.३४, मरुत्सूक्तम्

१.३८, वरुणमित्रार्यमसूक्तम् आदित्यसूक्तं च १.४१, अग्निसूक्तम् अश्विसूक्तम् उषस्सूक्तं च १.४४, इन्द्रसूक्तम् १.५४, अग्निसूक्तम् १.६०, वैद्युताग्निसूक्तं शुद्धाग्निसूक्तं वा १.७९, अश्विसूक्तम् १.११९, अग्निसूक्तम् १.१४०, अश्विसूक्तम् १.१८०, बृहस्पतिसूक्तम् १.१९०

ऋग्वेद के प्रथम मण्डल के सूक्त—

इन्द्रसूक्त १.४, ऋभवसूक्त१.२०, अश्विसूक्त१.३४, मरुत्सूक्त १.३८, वरुणमित्रार्यमसूक्त और आदित्यसूक्त १.४१; अग्निसूक्त, अश्विसूक्त और उषस्सूक्त १.४४, इन्द्रसूक्त १.५४, अग्निसूक्त १.६०, वैद्युताग्निसूक्त अथ वा शुद्धाग्निसूक्त १.७९, अश्विसूक्त १.११९, अग्निसूक्त १.१४०, अश्विसूक्त १.१८०, बृहस्पतिसूक्त १.१९०

(ख) ***ऐतरेयब्राह्मणे*** प्रथमद्वितीये पञ्चिके १५

ऐतरेयब्राह्मण प्रथम और द्वितीय पञ्चिका

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) ***ऋग्वेदसंहिता*** सायणभाष्योपेता. पूना¦ वैदिक संशोधन मण्डलम्, १९३३-१९५१.

ऋग्वेदसंहिता सायणभाष्य सहित. पूना¦ **वैदिक संशोधन मण्डल, १९३३-१९५१.**

(२) ***ऐतरेयब्राह्मणम्.*** सम्पादकः सत्यव्रतः सामश्रमी. कलकत्ता, १८९५.

ऐतरेयब्राह्मण. सम्पादक सत्यव्रत सामश्रमी. कलकत्ता, १८९५.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E02F **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— शुक्लयजुर्वेदः, शतपथब्राह्मणं च **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— शुक्लयजुर्वेद और शतपथब्राह्मण

(क) ***माध्यन्दिनशुक्लयजुर्वेदे*** प्रथमाध्यायः, पञ्चत्रिंशषट्त्रिंशौ च अध्यायौ ३०

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद प्रथम अध्याय, ३५वां और ३६वां अध्याय

(ख) ***शतपथब्राह्मणे*** राजसूयप्रकरणम् ३०

शतपथब्राह्मण राजसूय प्रकरण

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***शुक्लयजुर्वेदः.*** सम्पादको जगदीशलालः शास्त्री. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९७१.

शुक्लयजुर्वेद. सम्पादक जगदीशलाल शास्त्री. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, १९७१.

(२) शतपथब्राह्मणम्. मुम्बई¦ गङ्गाविष्णुहरिकृष्णलक्ष्मीवेंकटेश्वरस्टीमप्रेसः कल्याणम्, १९४०.

शतपथब्राह्मण. मुम्बई¦ गङ्गाविष्णु हरिकृष्ण लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस कल्याण, १९४०.

(३) शतपथब्राह्मणम्. वेदप्रकाशभाष्योपेतम्. दिल्ली¦ ज्ञानपब्लिशिंगहाउसम्, १९८७.

शतपथब्राह्मण. वेदप्रकाशभाष्य सहित. दिल्ली¦ ज्ञानपब्लिशिंग हाउस, १९८७.

(४) शतपथब्राह्मणम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च चक्रधरशर्मा. काशी¦ संवत्सरः १९९४.

शतपथब्राह्मण. व्याख्याकार और सम्पादक चक्रधर शर्मा. काशी¦ विक्रम संवत्सर १९९४.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E03F **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— निरुक्तम् ऋक्प्रातिशाख्यं च **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— निरुक्त और ऋक्प्रातिशाख्य

(क) ***निरुक्ते*** तृतीयसप्तमौ अध्यायौ ३०

निरुक्त तृतीय और सप्तम अध्याय

(ख) ***ऋक्प्रातिशाख्ये*** प्रथमद्वितीयतृतीयषोडशानि पटलानि वृत्त्युपेतानि ३०

ऋक्प्रातिशाख्य प्रथम, द्वितीय, तृतीय, षोडश पटल वृत्तिसहित

सहायका ग्रन्थाः

(१) यास्ककृतं ***निरुक्तम्*** दुर्गावृत्त्युपेतम्. पूना¦ आनन्दाश्रमसंस्कृतग्रन्थमाला, १९२१.

यास्क. ***निरुक्त*** दुर्गावृत्ति सहित. पूना¦ आनन्दाश्रम संस्कृत ग्रन्थमाला, १९२१.

(२) यास्ककृतं ***निरुक्तम्.*** सम्पादकः उमाशङ्कर ऋषिः वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्,२००५.

यास्क. ***निरुक्त.*** सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,२००५.

(३) शौनककृतम् ***ऋक्प्रातिशाख्यम्*** उवटभाष्यसंवलितम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च वीरेन्द्रकुमारः वर्मा. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, १९९२.

शौनक. ***ऋक्प्रातिशाख्य*** उवटभाष्य सहित. व्याख्याकार और सम्पादक वीरेन्द्रकुमार वर्मा. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान,१९९२.

(४) शौनककृतम् ***ऋक्प्रातिशाख्यम्.*** अनुवादकः सम्पादकश्च मङ्गलदेवः शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम्.

शौनक. ***ऋक्प्रातिशाख्य.*** अनुवादक और सम्पादक मङ्गलदेव शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान.

(५) शौनककृतम् ***ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्*** आदितश्चतुर्थपटलपर्यन्तम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च ब्रजबिहारी चौबे. दिल्ली¦ भारतीयविद्याप्रकाशनम्.

शौनक. ***ऋग्वेदप्रातिशाख्य*** आदि से चतुर्थ पटल पर्यन्त. व्याख्याकार और सम्पादक ब्रजबिहारी चौबे. दिल्ली¦ भारतीय विद्या प्रकाशनम्.

(६) वर्मोपाह्ववीरेन्द्रकुमारकृतम् 'ऋग्वेदप्रातिशाख्य: एक परिशीलन' इति. वाराणसी¦ काशी हिन्दु विश्वविद्यालयः, १९७२.

वर्मा, वीरेन्द्रकुमार. ऋग्वेदप्रातिशाख्य: एक परिशीलन. वाराणसी¦ काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, १९७२.

एम.ए. चतुर्थं षाण्मासिकं सत्रम्

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

सूचना

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय ४०+६०=१०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु ४० अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) ६० अङ्काश्च षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए ४०+६०= १०० पूर्णाङ्क हैं। इनमें से ४० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और ६० अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C 016 **CREDITS 03**

प्रथमं प्रश्नपत्रम्— भारतीयसंस्कृतिः संस्कृतानुवादश्च **पूर्णाङ्काः ६०**

प्रथम प्रश्नपत्र— भारतीय संस्कृति और संस्कृत में अनुवाद

(क) भारतीयसंस्कृतौ वर्णव्यवस्थादितत्त्वानि— ३०

भारतीयसंस्कृतौ वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थाः, प्राचीनभारते नारीणां स्थितिः, भारतीया प्राचीनशिक्षा, भारतीयं प्राचीनं शिल्पं कला च।

भारतीय संस्कृति में वर्ण-आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति, भारतीय प्राचीन शिक्षा, भारतीय प्राचीन शिल्प और कलाएं।

(ख) हिन्द्याः संस्कृते १५-१५ अङ्कमितौ द्वौ गद्यखण्डौ अनुवाद्यौ ३०

हिन्दी से संस्कृत में १५-१५ अङ्कों के दो गद्यखण्डों का अनुवाद

सहायका ग्रन्थाः

(१) गोयलोपाह्वा डॉ. प्रीतिप्रभा. '***भारतीय संस्कृति***' इति. जोधपुरम्¦ राजस्थानी ग्रन्थागारः सोजती गेटः,२००४

गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. ***भारतीय संस्कृति.*** जोधपुर¦ राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट,२००४

(२) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेवः सिंहः. '***भारतीय संस्कृति का इतिहास***' इति. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९६९.

शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह. '***भारतीय संस्कृति का इतिहास***'. मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाज़ार, 1969.

(३) सुखवीरसिंह-बिजेन्द्रकुमाराभ्यां कृतं ***'भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व'*** इति. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः.

सुखवीर सिंह-बिजेन्द्र कुमार. ***भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व***. मेरठ¦ साहित्य भण्डार सुभाष बाज़ार.

(४) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृता ***प्रौढरचनानुवादकौमुदी***. वाराणसी¦ भैरवनाथः विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २०११.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***प्रौढरचनानुवादकौमुदी***. वाराणसी¦ भैरवनाथ विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०११.

(५) नौटियालोपाह्वहंसोपनामचक्रधरकृता ***बृहद्अनुवादचन्द्रिका.*** दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदासः. बंगलो मार्गः. जवाहरनगरम्, २०१३.

नौटियाल हंस, चक्रधर. ***बृहद्अनुवादचन्द्रिका.*** दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास. बंगलो मार्ग. जवाहर नगर, २०१३.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C017 **CREDITS 03**

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्— साहित्यशास्त्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

द्वितीय प्रश्नपत्र— साहित्यशास्त्र

(क) राजशेखरकृतायां ***काव्यमीमांसायां*** *प्रथमाधिकरणे प्रथमाध्यायाद्दशमाध्यायपर्यन्तम्* ३०

राजशेखर. ***काव्यमीमांसा*** *प्रथम अधिकरण के प्रथम अध्याय से दशम अध्याय तक*

(ख) वामनकृता ***काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः*** ३०

वामन. ***काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति***

सहायका ग्रन्थाः

(१) राजशेखरकृता ***काव्यमीमांसा*** प्रकाशहिन्दीव्याख्योपेता. व्याख्याकारः डॉ गङ्गासागरः रायः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००७.

राजशेखर. ***काव्यमीमांसा*** प्रकाशहिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार डॉ गङ्गासागर राय. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००७.

(२) वामनकृता ***काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः***. गोपेन्द्रत्रिपुरहरभूपालकृतकामधेनु-संस्कृतटीकोपेता. हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च हरगोविन्दः शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २००२.

वामन. ***काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति***. गोपेन्द्र त्रिपुरहर भूपाल कृत कामधेनु संस्कृत टीका सहित. हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक हरगोविन्द शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २००२.

(३) वामनकृता ***काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः***. गोपेन्द्रत्रिपुरहरभूपालकृतकामधेनु-संस्कृतटीकोपेता. हिन्दीव्याख्याकारो बेचनझाः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्,विक्रमसंवत्सरः २०५८.

वामनकृता ***काव्यालङ्कारसूत्रवृत्ति***. गोपेन्द्र त्रिपुरहरभूपालकृत कामधेनु संस्कृतटीका सहित. हिन्दीव्याख्याकार बेचन झा. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०५८.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ C018 **CREDITS 03**

तृतीयं प्रश्नपत्रम्— मौखिकपरीक्षा **पूर्णाङ्काः ६०**

तृतीय प्रश्नपत्र— मौखिकपरीक्षा

एम.ए.चतुर्थषाण्मासिकस्य पाठ्यक्रममाश्रित्य मौखिकपरीक्षा ६०

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के आधार पर मौखिकपरीक्षा

Group A वर्गः ए– साहित्यम्

Group A वर्ग ए– साहित्य

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04A **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— संस्कृतरूपकम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— संस्कृत रूपक

(क) भट्टनारायणकृतः ***वेणीसंहारः*** ३०

भट्टनारायण. ***वेणीसंहार***

(ख) शूद्रककृतं ***मृच्छकटिकम्*** ३०

शूद्रक. ***मृच्छकटिक***

सहायका ग्रन्थाः

(१) भट्टनारायणकृतः ***वेणीसंहारः*** गङ्गासंस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतः. व्याख्याकारः सम्पादकश्च गङ्गासागरः रायः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६१.

भट्टनारायण. ***वेणीसंहार*** गङ्गा संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक

गङ्गासागर राय. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६१.

(२) भट्टनारायणकृतः ***वेणीसंहारः*** सुधासंस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतः. व्याख्याकारः सम्पादकश्च परमेश्वरादीनपाण्डेयः अवनिकुमारपाण्डेयश्च. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः, २००२.

भट्टनारायण. ***वेणीसंहार*** सुधा संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक परमेश्वरादीन पाण्डेय और अवनिकुमार पाण्डेय. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर, २००२.

(३) शूद्रककृतं ***मृच्छकटिकम्.*** सम्पादकः संस्कृतहिन्दीव्याख्याकारश्च श्रीनिवासशास्त्री. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः,१९६८.

शूद्रक. ***मृच्छकटिक.*** सम्पादक और संस्कृतहिन्दीव्याख्याकार श्रीनिवासशास्त्री. मेरठ¦ साहित्य भण्डार सुभाष बाज़ार,१९६८.

(४) शूद्रककृतं ***मृच्छकटिकम्*** संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः जगदीशचन्द्रः मिश्रः. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती, २०१४.

शूद्रक. ***मृच्छकटिक*** संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार जगदीशचन्द्र मिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती, २०१४.

(५) शूद्रककृतम् ***मृच्छकटिकम्.*** अंग्रेज्यनुवादकः सम्पादकः एम. आर. काले. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९९४.

Śudraka. ***The Mṛcchakatikam.*** Tran. & Ed. M. R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasi Dass, 1994.

(६) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम्.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E05A **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— काव्यशास्त्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— काव्यशास्त्र

(क) आनन्दवर्द्धनकृते ***ध्वन्यालोके*** प्रथम उद्द्योतः ३०

आनन्दवर्द्धन. ***ध्वन्यालोक*** प्रथम उद्द्योत

(ख) कुन्तककृते ***वक्रोक्तिजीविते*** प्रथम उन्मेषः ३०

कुन्तक. ***वक्रोक्तिजीवित*** प्रथम उन्मेष

सहायका ग्रन्थाः

(१) आनन्दवर्द्धनकृतः ***ध्वन्यालोकः.*** अंग्रेजीभाषानुवादकः सम्पादकश्च बिष्णुपादभट्टाचार्यः कलकत्ता¦ फर्मा कल्म प्राईवेट लिमिटेडम्, १९८१.

Ānandavardan. ***The Dhvanyālokaḥ.*** Tran. & Ed. Biśṇupāda Bhaṭṭacārya. Calcutta: Firma Klm Private Ltd, 1981.

(२) आनन्दवर्द्धनकृतः ***ध्वन्यालोकः.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ कृष्णकुमारः. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः.

आनन्दवर्द्धन. ***ध्वन्यालोक.*** व्याख्याकार और सम्पादक डॉ कृष्णकुमार. मेरठ¦ साहित्य भण्डार सुभाष बाज़ार.

(३) आनन्दवर्द्धनकृतः ***ध्वन्यालोकः.*** अभिनवगुप्तकृतलोचनटीकासहितः. हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च जगन्नाथपाठकः. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवनम्, २००६.

आनन्दवर्द्धन. ***ध्वन्यालोक.*** अभिनवगुप्तकृत लोचनटीका सहित. हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक जगन्नाथपाठक. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००६.

(४) आनन्दवर्द्धनकृतः ***ध्वन्यालोकः.*** अनुवादकःसम्पादकश्च रामसागरः त्रिपाठी. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, विक्रमसंवत्सरः २०२०.

आनन्दवर्द्धन. ***ध्वन्यालोक.*** अनुवादक और सम्पादक रामसागर त्रिपाठी. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, विक्रम संवत्सर २०२०.

(५) कुन्तककृतं ***वक्रोक्तिजीवितम्*** सुधासंस्कृत-हिन्दीव्याख्याद्वयोपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च परमेश्वरादीनः पाण्डेयः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २००८.

कुन्तक. ***वक्रोक्तिजीवित.*** सुधा संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक परमेश्वरादीन पाण्डेय. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २००८.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E06A **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— पद्यकाव्यं गद्यकाव्यं च **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— पद्यकाव्य और गद्यकाव्य

(क) श्रीहर्षकृते ***नैषधीयचरिते*** प्रथमः सर्गः ३०

श्रीहर्ष. ***नैषधीयचरित*** प्रथम सर्ग

(ख) दण्डिकृते ***दशकुमारचरिते*** पूर्वपीठिका ३०

दण्डी. ***दशकुमारचरित*** पूर्वपीठिका

सहायका ग्रन्थाः

(१) श्रीहर्षकृतं ***नैषधीयचरितम्*** मल्लिनाथकृतजीवातुदेवर्षिसनाढ्यकृतचन्द्रकला-हिन्दीटीकोपेतम्. वाराणसी¦ कृष्णदास अकादमी.

श्रीहर्ष. ***नैषधीयचरित*** मल्लिनाथकृत जीवातु और देवर्षि सनाढ्यकृत चन्द्रकला हिन्दी टीका सहित. वाराणसी¦ कृष्णदास अकादमी.

(२) श्रीहर्षकृतम् ***नैषधीयचरितम्*** चन्द्रकलासंस्कृतव्याख्याहिन्द्यनुवादोपेतम् व्याख्याकारो हिन्द्यनुवादकश्च शेषराजशर्मा रेग्मीः, वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९९९.

श्रीहर्ष. ***नैषधीयचरित.*** चन्द्रकलासंस्कृतव्याख्या और हिन्दी अनुवाद सहित. व्याख्याकार और हिन्दी अनुवादक शेषराजशर्मा रेग्मी. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९९९.

(३) दण्डिकृतं ***दशकुमारचरितम्*** संस्कृतहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारो विश्वनाथः झाः. दिल्ली¦ मोतीलालः बनारसीदासः, १९९३.

दण्डी. ***दशकुमारचरित*** संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार विश्वनाथ झा. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, १९९३.

(४) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास***' इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम्.

द्विवेदी, कपिलदेव. ***संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.*** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान.

Group B वर्गः बी– दर्शनम्

Group B वर्ग बी– दर्शन

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04B **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— पातञ्जलयोगसूत्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— पातञ्जलयोगसूत्र

पतञ्जलिकृतं ***पातञ्जलयोगसूत्रम्*** ६०

पतञ्जलि. ***पातञ्जलयोगसूत्र***

सहायको ग्रन्थः

(क) पतञ्जलिकृतं ***योगदर्शनम्*** व्यासभाष्योपेतम्.हिन्द्यनुवादको हरिहरानन्द आरण्यः. सम्पादको रामशङ्करः भट्टाचार्यः. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदासः, २००३.

पतञ्जलि. ***योगदर्शन*** व्यासभाष्य सहित. हिन्दी अनुवादक हरिहरानन्द आरण्य. सम्पादक रामशङ्कर भट्टाचार्य. दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास, २००३.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E05B **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— सर्वदर्शनसङ्ग्रहः **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— सर्वदर्शनसङ्ग्रह

माधवाचार्यकृते ***सर्वदर्शनसङ्ग्रहे*** चार्वाकजैनबौद्धमतानि ६०

माधवाचार्य. ***सर्वदर्शनसङ्ग्रह*** चार्वाक, जैन, बौद्ध मत

सहायको ग्रन्थः

(१) माधवाचार्यकृतः ***सर्वदर्शनसंग्रहः.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च उमाशङ्करः शर्मा ऋषिः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००८.

माधवाचार्य. ***सर्वदर्शनसंग्रह.*** व्याख्याकार और सम्पादक उमाशङ्कर शर्मा ऋषि. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००८.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E06B **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— मीमांसासूत्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— मीमांसासूत्र

(क) जैमिनिकृते ***मीमांसासूत्रे*** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ ४५

जैमिनि. ***मीमांसासूत्र*** प्रथम और द्वितीय अध्याय

(ख) माधवाचार्यकृते ***सर्वदर्शनसङ्ग्रहे*** काश्मीरिकप्रत्यभिज्ञादर्शनम् १५

माधवाचार्य. ***सर्वदर्शनसङ्ग्रह*** काश्मीरिक प्रत्यभिज्ञादर्शन

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) जैमिनिकृतं ***मीमांसादर्शनम्*** विद्योदयभाष्योपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च

उदयवीरः शास्त्री. दिल्ली¦ विजयकुमारः गोविन्दरामः हासानन्दः,२००३.

जैमिनि. ***मीमांसादर्शन*** विद्योदयभाष्य सहित. व्याख्याकार और सम्पादक उदयवीर शास्त्री. दिल्ली¦ विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द,२००३.

(२) माधवाचार्यकृतः ***सर्वदर्शनसंग्रहः.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च उमाशङ्करः शर्मा ऋषिः. वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००८.

माधवाचार्य. ***सर्वदर्शनसंग्रह.*** व्याख्याकार और सम्पादक उमाशङ्कर शर्मा ऋषि. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००८.

Group C वर्गः सी– व्याकरणम्

Group C वर्ग सी– व्याकरण

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04C/ Kaumudī **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यामुत्तरार्द्धः **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी उत्तरार्द्ध

भट्टोजिदीक्षितकृतौ ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यामुत्तरार्द्धे*** दिवादितः चुराद्यन्तः ६०

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी उत्तरार्द्ध.*** दिवादि से चुरादि तक

अथ वा

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04C/ Kāśikā **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— जयादित्य–वामनकृतौ ***काशिकायां*** सप्तमाष्टमौ अध्यायौ **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— जयादित्य–वामन. ***काशिका*** सप्तम और अष्टम अध्याय

सहायकौ ग्रन्थौ

(३) भट्टोजिदीक्षितकृता ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत–बालमनोरमोपेता. सम्पादको गोपालशास्त्री नेने. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०५०.

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपाल शास्त्री नेने चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०५०.

(४) जयादित्यवामनकृता ***काशिका.*** सम्पादकः शोभितमिश्रः. वाराणसी¦

चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफ़िसम्, १९५२.

जयादित्य और वामन. ***काशिका.*** सम्पादक शोभित मिश्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस, १९५२.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E05C **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— वैयाकरणभूषणसारः वाक्यपदीयं च **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— वैयाकरणभूषणसार और वाक्यपदीय

(क) कौण्डभट्टकृते ***वैयाकरणभूषणसारे*** धात्वर्थनिर्णयः ३०

कौण्डभट्ट. ***वैयाकरणभूषणसार*** धात्वर्थनिर्णय

(ख) भर्तृहरिकृते ***वाक्यपदीये*** प्रथमं ब्रह्मकाण्डम् ३०

भर्तृहरि. ***वाक्यपदीय*** प्रथम ब्रह्मकाण्ड

सहायका ग्रन्थाः

(१) कौण्डभट्टकृतः ***वैयाकरणभूषणसारः.*** बालकृष्णपञ्चोलीकृतप्रभा–हरिवल्लभकृतदर्पणव्याख्याद्वयोपेतः. सम्पादकः बालकृष्णपञ्चोली. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६३.

कौण्डभट्ट. ***वैयाकरणभूषणसार*** बालकृष्णपञ्चोलीकृत प्रभा और हरिवल्लभकृत दर्पण व्याख्या सहित. सम्पादक बालकृष्णपञ्चोली. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६३.

(२) कौण्डभट्टकृतः ***वैयाकरणभूषणसारः*** हरिवल्लभकृतदर्पणव्याख्या–चन्द्रिकाप्रसादद्विवेदिकृतसुबोधिनीव्याख्याद्वयोपेतः. हिन्दीव्याख्याकारः सम्पादकश्च चन्द्रिकाप्रसादद्विवेदी. दिल्ली¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम् ३८ यू०ए० बंगलो मार्गः जवाहरनगरम्, २००५.

कौण्डभट्ट. ***वैयाकरणभूषणसार*** हरिवल्लभकृत दर्पण व्याख्या चन्द्रिकाप्रसाद द्विवेदी कृत–सुबोधिनी व्याख्या सहित. हिन्दीव्याख्याकार और सम्पादक चन्द्रिकाप्रसाद द्विवेदी. दिल्ली¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान ३८ यू०ए० बंगलो मार्ग जवाहरनगर, २००५.

(३) भर्तृहरिकृतं ***वाक्यपदीयम्*** हिन्दीविवरणसमलङ्कृतम्. विवरणकारः संपादकश्च शिवशङ्करः अवस्थी.वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, २००६.

भर्तृहरि. ***वाक्यपदीय*** हिन्दीविवरण सहित. विवरणकार और संपादक शिवशङ्कर अवस्थी.

वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन, २००६.

(४) भर्तृहरिकृतं ***वाक्यपदीयम्*** अम्बाकर्त्र्या व्याख्ययोपेतम्. व्याख्याकारः सम्पादकश्च रघुनाथः शर्मा. वाराणसी ¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफ़िसम्.

भर्तृहरि. ***वाक्यपदीय*** अम्बाकर्त्री व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक रघुनाथ शर्मा. वाराणसी ¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफ़िस.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E06C **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्त्रम्— परमलघुमञ्जूषा, परिभाषेन्दुशेखरः, संस्कृतव्याकरणशास्त्रेतिहासश्च पूर्णाङ्काः ६०

षष्ठ प्रश्नपत्र— परमलघुमञ्जूषा, परिभाषेन्दुशेखर और संस्कृतव्याकरणशास्त्र का इतिहास

(क) नागेशभट्टकृता ***परमलघुमञ्जूषा*** ३०

नागेशभट्ट. ***परमलघुमञ्जूषा***

(ख) नागेशभट्टकृते ***परिभाषेन्दुशेखरे*** प्रथमपरिभाषातः दशमपरिभाषापर्यन्तम् १५

नागेशभट्ट. ***परिभाषेन्दुशेखर*** प्रथम परिभाषा से दशम परिभाषा तक.

(ग) ***संस्कृतव्याकरणशास्त्रेतिहासः*** १५

संस्कृतव्याकरणशास्त्र का इतिहास

सहायका ग्रन्थाः

(१) नागेशभट्टकृता ***परमलघुमञ्जूषा*** भावप्रकाशबालबोधिनीसंस्कृतहिन्दी–व्याख्योपेता. व्याख्याकारः जयशङ्करलालत्रिपाठी. वाराणसी¦ कृष्णदास–अकादमी, विक्रमसंवत्सरः २०४१.

(२) नागेशभट्ट. ***परमलघुमञ्जूषा*** भावप्रकाश संस्कृत और बालबोधिनी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार जयशङ्करलाल त्रिपाठी. वाराणसी¦ कृष्णदास अकादमी, विक्रम संवत्सर २०४१.

(३) नागेशभट्टकृता ***परमलघुमञ्जूषा*** किरणावली संस्कृतव्याख्योपेता. हिन्द्यनुवादकः सम्पादकश्च लोकमणिः दाहालः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २००९.

नागेशभट्ट. ***परमलघुमञ्जूषा*** किरणावली संस्कृतव्याख्या सहित. हिन्दी अनुवादक और सम्पादक लोकमणि दाहाल. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २००९.

(४) नागोजिभट्टकृतः ***परिभाषेन्दुशेखरः.*** रामकृष्णकृतभूतितिलकव्याख्योपेतः. संशोधकः प्रकाशकश्च वासुदेवः बालकृष्णः पटबर्द्धनः, काशी¦ विक्रमसंवत्सरः १९९२.

नागोजिभट्ट. ***परिभाषेन्दुशेखरः.*** रामकृष्णकृत भूतितिलक व्याख्या सहित. संशोधक प्रकाशक वासुदेव बालकृष्ण पटबर्द्धन, काशी¦ विक्रम संवत्सर१९९२.

(५) नागोजिभट्टकृतः ***परिभाषेन्दुशेखरः.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च आचार्यः विश्वनाथमिश्रः वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २००५.

नागोजिभट्ट. ***परिभाषेन्दुशेखर.*** सम्पादक और व्याख्याकार आचार्य विश्वनाथमिश्र वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २००५.

(६) युधिष्ठिरमीमांसककृतः ***संस्कृत व्याकरण–शास्त्र का इतिहास*** इति. सोनीपथः हरियाणा¦ युधिष्ठिरमीमांसको बहालगढ़ः, विक्रमसंवत्सरः, २०४१.

युधिष्ठिरमीमांसक. ***संस्कृत व्याकरण–शास्त्र का इतिहास*** इति. सोनीपथ हरियाणा¦ युधिष्ठिरमीमांसक बहालगढ़, विक्रम संवत्सर, २०४१.

(७) बेल्वलकरोपाह्वश्रीपादकृष्णकृतम् सिक्स सिस्ट्यम् ऑफ़ संस्कृत ग्रामर इति. दिल्ली¦ भारतीयविद्याभवनप्रकाशनम्, १९७६.

Belvalkara, Śrīpāda Kṛṣṇa. Systems of Sanskrit Grammar. Delhi: Bharatiya Vidya Prakashan, 1976.

Group D वर्गः डी– धर्मशास्त्रम्

Group D वर्ग डी– धर्मशास्त्र

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04D **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्त्रम्— राजतरङ्गिणी आपस्तम्बधर्मसूत्रं च पूर्णाङ्काः ६०

चतुर्थ प्रश्नपत्र— राजतरङ्गिणी और आपस्तम्बधर्मसूत्र

(क) कल्हणकृतायां ***राजतरङ्गिण्यां*** चतुर्थपञ्चमषष्ठाः तरङ्गाः ३०

कल्हण. ***राजतरङ्गिणी*** चतुर्थ, पञ्चम और षष्ठ तरङ्ग

(ख) ***आपस्तम्बधर्मसूत्रम्*** ३०

आपस्तम्बधर्मसूत्र

सहायका ग्रन्थाः

(१) कल्हणकृता ***राजतरङ्गिणी.*** अनुवादकः सम्पादकश्च रामतेजः पाण्डेयः, दिल्ली¦ चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, २००९.

कल्हण. ***राजतरङ्गिणी.*** अनुवादक और सम्पादक रामतेज पाण्डेय, दिल्ली¦ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम्, २००९.

(२) **आपस्तम्बधर्मसूत्रम्.** हरिदत्तमिश्रकृतोज्ज्वलावृत्त्युपेतम् उमेशचन्द्रपाण्डेयकृतं च हिन्दीटीकोपेतम्. हिन्दीटीकाकारः सम्पादकश्च उमेशचन्द्रपाण्डेयः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्.

आपस्तम्बधर्मसूत्र हरिदत्तमिश्र कृत उज्ज्वलावृत्ति और उमेशचन्द्रपाण्डेय कृत हिन्दीटीका सहित. हिन्दीटीकाकार और सम्पादक उमेशचन्द्र पाण्डेय. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन.

(३) **आपस्तम्बधर्मसूत्रम्** आनुकूलातात्पर्यदर्शनाभ्यां संस्कृतव्याख्याभ्यां हिन्दीव्याख्यया चोपेतम्. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजआफिसम्, संवत्सरः २०२८.

आपस्तम्बधर्मसूत्र आनुकूला और तात्पर्यदर्शना संस्कृतव्याख्याद्वय और हिन्दीव्याख्या सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, संवत्सरः २०२८.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E05D **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— पारस्करगृह्यसूत्रं, गौतमधर्मसूत्रं च **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— पारस्करगृह्यसूत्र और गौतमधर्मसूत्र

(क) ***पारस्करगृह्यसूत्रम्*** ३०

पारस्करगृह्यसूत्र

(ख) ***गौतमधर्मसूत्रम्*** ३०

गौतमधर्मसूत्र

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***पारस्करगृह्यसूत्रम्*** हरिहरगदाधरभाष्यसहितम्. विमलाहिन्दीव्याख्यायुतं च. व्याख्याकारः सम्पादकश्च जगदीशचन्द्रः. वाराणसी¦

चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्.

पारस्करगृह्यसूत्र हरिहरगदाधर-कृतभाष्य और विमला हिन्दीव्याख्या सहित. सम्पादक व्याख्याकार जगदीशचन्द्र. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन.

(२) ***पारस्करगृह्यसूत्रम्.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च हरिदत्त शर्मा. वाराणसी¦ भारतीयविद्याप्रकाशनम्, १९७६.

पारस्करगृह्यसूत्र. व्याख्याकार और सम्पादक हरिदत्त शर्मा. वाराणसी¦ भारतीय विद्या प्रकाशन, १९७६.

(३) ***गौतमधर्मसूत्रम्.*** सम्पादकः श्रीनिवासाचार्यः मैसूरम्¦ १९१७.

गौतमधर्मसूत्र. सम्पादक श्रीनिवासाचार्य मैसूरम्¦ १९१७.

(४) ***गौतमधर्मसूत्रम्.*** सम्पादकः नरेन्द्रकुमारः दिल्ली¦ विद्यानिधिप्रकाशनम्, २०१०.

गौतमधर्मसूत्र. सम्पादक नरेन्द्रकुमार दिल्ली¦ विद्या निधि प्रकाशन, २०१०.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E06D **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्– बौधायनधर्मसूत्रं धर्मसिन्धुश्च **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र– बौधायनधर्मसूत्र और धर्मसिन्धु

(क) ***बौधायनधर्मसूत्रम्*** ३०

बौधायनधर्मसूत्र

(ख) ***धर्मसिन्धौ.*** प्रथमद्वितीयौ परिच्छेदौ ३०

धर्मसिन्धु प्रथम और द्वितीय परिच्छेद

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***बौधायनधर्मसूत्रम्.*** सम्पादकः चिन्नस्वामी. वाराणसी¦ जयकृष्णदासः हरिदासः गुप्तः, १९३४.

बौधायनधर्मसूत्रम्. सम्पादकः चिन्नस्वामी. वाराणसी¦ जयकृष्णदासः हरिदासः गुप्तः, १९३४.

(२) ***बौधायनधर्मसूत्रम्*** गोविन्दस्वामिकृतविवरणवृत्तिसहितम्. सम्पादकः नरेन्द्रकुमारः. दिल्ली¦ विद्यानिधिप्रकाशनम्, १९९९.

बौधायनधर्मसूत्र गोविन्दस्वामिकृत विवरणवृत्तिसहित. सम्पादक नरेन्द्रकुमार. दिल्ली¦ विद्यानिधि प्रकाशन, १९९९.

(३) काशीनाथकृतः ***धर्मसिन्धुः.*** अनुवादकः सम्पादकश्च राजवैद्यः रविदत्तः शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्. २००९.

धर्मसिन्धु. अनुवादक और सम्पादक राजवैद्य रविदत्त शास्त्री. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत

प्रतिष्ठान. २००९.

(४) काशीनाथकृतः ***धर्मसिन्धुः*** धर्मदीपिकाहिन्दीटीकोपेतः. टीकाकारो वसिष्ठदत्तमिश्रः. वाराणसी¦ काशीसंस्कृतग्रन्थमाला.

काशीनाथ. ***धर्मसिन्धु*** धर्मदीपिका हिन्दी टीका सहित. टीकाकार वसिष्ठदत्त मिश्र. वाराणसी¦ काशी संस्कृत ग्रन्थमाला.

Group E वर्गः ई– पुराणेतिहासौ

Group E वर्ग ई– पुराणेतिहास

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04E **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्— वाल्मीकीयरामायणम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— वाल्मीकीयरामायण

वाल्मीकीये ***रामायणे*** अयोध्याकाण्डः ६०

वाल्मीकि. ***रामायण*** अयोध्याकाण्ड

सहायका ग्रन्थाः

(१०) वाल्मीकिकृतं ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, विक्रमसंवत्सरः २०५६.

वाल्मीकि. ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.

(११) वाल्मीकिकृतं ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्.*** सम्पादकमण्डलम् जी. ए. भट्ट, पी. एल. वैद्य, डी. आर. मनकण्डश्चेत्यादयः. बड़ौदा.

वाल्मीकि. ***श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.*** सम्पादकमण्डल जी ए भट्ट. पी एल वैद्य. डी आर मनकण्ड इत्यादि. बड़ौदा.

(१२) कामिलबुल्केकृता ***'रामकथाः उत्पत्ति और विकास'*** इति. प्रयागविश्वविद्यालयः¦ हिन्दीपरिषद् , १९९७.

कामिलबुल्के. ***रामकथाः उत्पत्ति और विकास.*** प्रयाग विश्वविद्यालय¦ हिन्दी परिषद्, १९९७.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E05E **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— महाभारत आदिपर्व **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— महाभारत आदिपर्व

व्यासकृतौ ***महाभारते*** भाण्डारकरप्राच्यविद्यासंस्थानेन पुण्यपत्तनस्थेन सम्पादिते आदिपर्व ६०

व्यास. ***महाभारत*** आदिपर्व. भाण्डारकर प्राच्यविद्या संस्थान. पुणे.

सहायकौ ग्रन्थौ

(९) व्यासकृतं ***महाभारतम्.*** सम्पादकमण्डलम् वी. एस. सूकथङ्करः, ए. एडगर्टनः, रघुवीरः, एस. के. बेलवल्करः, पी. एल. वैद्यः, आर. एन. दाण्डेकरः, एच. डी. बेलङ्करः, पी. जी. पाराञ्पे, आर. डी. करमाकरश्चेति पुणे¦ भाण्डारकरप्राच्यविद्यामन्दिरम्, १९३३–१९५९.

व्यास. ***महाभारत*** सम्पादकमण्डल वी. एस. सूकथङ्कर, ए. एडगर्टन, रघुवीर, एस. के. बेलवल्कर, पी. एल. वैद्य, आर. एन. दाण्डेकर, एच. डी. बेलङ्कर, पी. जी. पाराञ्पे और आर. डी. करमाकर पुणे¦ भाण्डारकर प्राच्य विद्यामन्दिर, १९३३–१९५९.

(१०) व्यासकृतं ***महाभारतम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः,विक्रमसंवत्सरः २०५५.

व्यास. ***महाभारत.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५५.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E06E **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्— महाभारत उद्योगपर्व **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र— महाभारत उद्योगपर्व

व्यासकृतौ ***महाभारते*** भाण्डारकरप्राच्यविद्यासंस्थानेन पुण्यपत्तनस्थेन सम्पादिते उद्योगपर्व ६०

व्यास. ***महाभारत*** उद्योगपर्व. भाण्डारकर प्राच्यविद्या संस्थान. पुणे.

सहायकौ ग्रन्थौ

(१) व्यासकृतं ***महाभारतम्.*** सम्पादकमण्डलम् वी एस सूकथङ्करः. ए एडगर्टनः. रघुवीरः. एस के बेलवल्करः. पी एल वैद्यः. आर एन दाण्डेकरः. एच डी बेलङ्करः. पी जी पाराञ्पे. आर डी करमाकरः. पुणे¦ भाण्डारकर–प्राच्य–विद्यामन्दिरम्, १९३३–१९५९.

व्यास. ***महाभारत*** सम्पादकमण्डल वी एस सूकथङ्कर. ए एडगर्टन. रघुवीर. एस के बेलवल्कर. पी एल वैद्य. आर एन दाण्डेकर. एच डी बेललङ्कर. पी जी पाराञ्पे. आर डी करमाकर. पुणे¦

भाण्डारकर-प्राच्य-विद्यामन्दिर, १९३३-१९५९.

(२) व्यासकृतं ***महाभारतम्.*** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः,विक्रमसंवत्सरः २०५५.

व्यास. ***महाभारत.*** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५५.

Group F वर्गः एफ– वेदः

Group F वर्ग एफ– वेद

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E04F **CREDITS 03**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्—ऋक्सूक्तानि कौषीतकी उपनिषच्चेति **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र— ऋक्सूक्त और कौषीतकी उपनिषद्

(क) ***ऋग्वेदे पञ्चममण्डलस्य सूक्तानि—*** ४५

मित्रावरुणसूक्तम् ५.६६, मित्रावरुणसूक्तम् ५.६७, मित्रावरुणसूक्तम् ५.६८, मित्रावरुणसूक्तम् ५.६९, मित्रावरुणसूक्तम् ५.७०, मित्रावरुणसूक्तम् ५.७१, मित्रावरुणसूक्तम् ५.७२, अश्विसूक्तम् ५.७३, अश्विसूक्तम् ५.७४, अश्विसूक्तम् ५.७५, अश्विसूक्तम् ५.७६, अश्विसूक्तम् ५.७७, अश्विसूक्तम् ५.७८, उषस्सूक्तम् ५.७९, उषस्सूक्तम् ५.८०, सवितृसूक्तम् ५.८१, सवितृसूक्तम् ५.८२, पर्जन्यसूक्तम् ५.८३, पृथिवीसूक्तम् ५.८४, वरुणसूक्तम् ५.८५, इन्द्राग्निसूक्तम् ५.८६, मरुत्सूक्तम् ५.८७

ऋग्वेद के पञ्चम मण्डल के सूक्त—

मित्रावरुणसूक्त ५.६६, मित्रावरुणसूक्त ५.६७, मित्रावरुणसूक्त ५.६८, मित्रावरुणसूक्त ५.६९, मित्रावरुणसूक्त ५.७०, मित्रावरुणसूक्त ५.७१, मित्रावरुणसूक्त ५.७२, अश्विसूक्त ५.७३, अश्विसूक्त ५.७४, अश्विसूक्त ५.७५, अश्विसूक्त ५.७६, अश्विसूक्त ५.७७, अश्विसूक्त ५.७८, उषस्सूक्त ५.७९, उषस्सूक्त ५.८०, सवितृसूक्त ५.८१, सवितृसूक्त ५.८२, पर्जन्यसूक्त ५.८३, पृथिवीसूक्त ५.८४, वरुणसूक्त ५.८५, इन्द्राग्निसूक्त ५.८६, मरुत्सूक्त ५.८७

(ख) ***कौषीतकिब्राह्मणे*** प्रथमोऽध्यायाद् यावद्दशमाध्यायम् १५

कौषीतकिब्राह्मण प्रथम अध्याय से दशम अध्याय तक

सहायकौ ग्रन्थौ

(३) ***ऋग्वेदसंहिता*** सायणभाष्योपेता. पूना¦ वैदिकसंशोधनमण्डलम्, १९३३-१९५१.

ऋग्वेदसंहिता सायणभाष्य सहित. पूना¦ **वैदिक संशोधन मण्डल, १९३३-१९५१.**

(४) ***कौषीतकिब्राह्मणम् .*** सम्पादको बी. लिन्डनरः, जेना¦ १८८७.

कौषीतकिब्राह्मणम्. सम्पादक बी. लिन्डनर, जेना ¦ १८८७.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E05F **CREDITS 03**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्— सामवेदः, अथर्ववेदः, उपनिषच्चेति **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र— सामवेद, अथर्ववेद और उपनिषद्

(क) ***सामवेदे*** महानाम्न्यार्चिकः १५

सामवेद महानाम्न्यार्चिक

(ख) ***अथर्ववेदस्य सूक्तानि—*** ३०

रोगोपशमनसूक्तम् १.२, पशुसंवर्धनसूक्तम् २.२६, कृषिसूक्तम् ३.१७, मणिबन्धनसूक्तम् १०.६, ब्रह्मचारिसूक्तम् ११.५, भूमिसूक्तम् १२.१, व्रात्यसूक्तम् १५.२, कालसूक्तम् १९.५३।

अथर्ववेद **के सूक्त—**

रोगोपशमनसूक्त १.२, पशुसंवर्धनसूक्त २.२६, कृषिसूक्त ३.१७, मणिबन्धनसूक्त १०.६, ब्रह्मचारिसूक्त ११.५, भूमिसूक्त १२.१, व्रात्यसूक्त १५.२, कालसूक्त १९.५३

(ग) ***श्वेताश्वतरोपनिषद्*** १५

श्वेताश्वतरोपनिषद्

सहायका ग्रन्थाः

(१) ***सामसंहिता.*** सम्पादकः सातबलेकरः औन्धनगरम्¦ स्वाध्यायमण्डलम्, १८८५.

सामसंहिता. सम्पादक सातबलेकर औन्धनगरम्¦ स्वाध्यायमण्डल, १८८५.

(२) ***अथर्ववेदः*** शौनकीयः. सम्पादकः विश्वबन्धुः. होशियारपुरम्¦ विश्वेश्वरानन्दवैदिकशोधसंस्थानम्,१९६९-६२.

अथर्ववेद शौनकीय. सम्पादक विश्वबन्धु. होशियारपुर¦ विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोधसंस्थान,

१९६९-६२.

(३) ***श्वेताश्वतरोपनिषद्.*** शाङ्करभाष्योपेता.गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, संवत्सरः २०६६.

श्वेताश्वतरोपनिषद्. शाङ्करभाष्य सहित. गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०६६.

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ E06F **CREDITS 03**

षष्ठं प्रश्नपत्रम्- बृहद्देवता, वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां वैदिकी प्रक्रिया, स्वरप्रक्रिया चेति **पूर्णाङ्काः ६०**

षष्ठ प्रश्नपत्र- बृहद्देवता और वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी की वैदिकी प्रक्रिया और स्वरप्रक्रिया

(क) शौनककृतायां ***बृहद्देवतायां*** प्रथमद्वितीयौ अध्यायौ १५

शौनक. ***बृहद्देवता*** प्रथम और द्वितीय अध्याय

(ख) भट्टोजिदीक्षितकृतौ ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां*** वैदिकी प्रक्रिया स्वरप्रक्रिया च ३०

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी*** वैदिकी प्रक्रिया और स्वरप्रक्रिया

(ग) सायण-मधुसूदन-दयानन्दारविन्दैः कृता ***ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकाः*** १५

सायण, मधुसूदन, दयानन्द और अरविन्द. ***ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकाएं.***

सहायका ग्रन्थाः

(१) शौनककृता ***बृहद्देवता.*** हिन्द्यनुवादयुता. अनुवादक और सम्पादक मैक्डोनेल. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसीरिजऑफिसम्, १९६४.

शौनक. ***बृहद्देवता*** हिन्दी अनुवाद सहित. हिन्दी अनुवादक और सम्पादक मैक्डोनेल. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत सीरिज ऑफिस, १९६४.

(२) शौनककृता ***बृहद्देवता.*** व्याख्याकारः सम्पादकश्च रामकुमाररायः वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्,संवत्सरः २०६०.

शौनक. ***बृहद्देवता.*** व्याख्याकार और सम्पादक रामकुमार राय. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६०.

(३) भट्टोजिदीक्षितकृता ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी.*** वासुदेवदीक्षितकृत-बालमनोरमोपेता. सम्पादको गोपालशास्त्री नेने इति. वाराणसी¦

चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, संवत्सरः २०५०.

भट्टोजिदीक्षित. ***वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी*** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपाल शास्त्री नेने. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, २०५०.

(४) दयानन्द, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका संस्कृतार्य्यभाषोपेता. अजमेरम्¦ १९७६.

दयानन्द, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका संस्कृत हिन्दी युक्त. अजमेरम्¦ १९७६.

Group S– Self Study वर्गः एस– स्वाध्यायः

Group S– Self Study वर्ग एस– स्वाध्याय

परीक्षार्थिनोऽतिरिक्तानिवार्यस्य स्वाध्यायप्रश्नपत्रस्य परीक्षां स्वेच्छया एम.ए.द्वितीयषाण्मासिकसत्रे अथ वा एम.ए.तृतीयषाण्मासिकसत्रे अथ वा एम.ए.चतुर्थषाण्मासिकसत्रे दातुं शक्नुवन्ति।

परीक्षार्थी अतिरिक्त अनिवार्य स्वाध्याय प्रश्नपत्र की परीक्षा को स्वेच्छा से एम.ए. द्वितीयषाण्मासिकसत्र में अथवा एम.ए. तृतीयषाण्मासिकसत्र में अथवा एम.ए. चतुर्थषाण्मासिकसत्र में दे सकते हैं।

स्वाध्याये त्रयो वर्गा भविष्यन्ति। Self Study Group- L स्वाध्यायवर्गः– एल, Self Study Group- M स्वाध्यायवर्गः– एम, Self Study Group- N स्वाध्यायवर्गः– एन।

स्वाध्याय में तीन वर्ग होंगे। Self Study Group- L स्वाध्याय वर्ग– एल, Self Study Group- M स्वाध्याय वर्ग– एम, Self Study Group- N स्वाध्याय वर्ग– एन।

Self Study Group– L स्वाध्यायवर्गः–एल

Self Study Group- L स्वाध्याय वर्ग– एल

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ S01L **CREDITS 03**

स्वाध्यायप्रश्नपत्रम्— गढ़वालस्येतिहासः संस्कृतिश्च **पूर्णाङ्काः 60**

स्वाध्याय प्रश्नपत्र— गढ़वाल का इतिहास और संस्कृति

सहायका ग्रन्थाः

(१) डबरालोपाह्वशिवप्रसादकृतः ***उत्तराखण्ड का इतिहास*** इति. दुगड्डा¦ वीरगाथा प्रकाशनम्.

डबराल, शिवप्रसाद. ***'उत्तराखण्ड का इतिहास.'*** दुगड्डा¦ वीरगाथा प्रकाशन.

(२) रतूड्युपाह्वहरिकृष्णकृतः ***गढ़वाल का इतिहास*** इति. संशोधकः सम्पादकश्च कठोचोपाह्वः डॉ. यशवन्तसिंहः. नई टिहरी¦ भागीरथीप्रकाशनगृहम्. २००७.

रतूड़ी, हरिकृष्ण. ***गढ़वाल का इतिहास.*** संशोधक और सम्पादक डॉ. यशवन्त सिंह कठोच. नई टिहरी¦ भागीरथी प्रकाशन गृह, २००७.

(३) कठोचोपाह्वयशवन्तसिंहकृतः. ***'उत्तराखण्ड का नवीन इतिहास'*** इति. देहरादूनम्¦ विनसरपब्लिशिंगकम्पनी, द्वितीयं संस्करणम् २०१०.

कठोच, यशवन्त सिंह. ***उत्तराखण्ड का नवीन इतिहास.*** देहरादून¦ विनसर पब्लिशिंग कम्पनी, द्वितीय संस्करण २०१०.

अथ वा

Self Study Group M स्वाध्यायवर्गः— एम

Self Study Group M स्वाध्याय वर्ग– एम

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ S01M **CREDITS 03**

स्वाध्यायप्रश्नपत्रम्— कूर्माञ्चलस्येतिहासः संस्कृतिश्च **पूर्णाङ्काः 60**

स्वाध्याय प्रश्नपत्र— कुमाऊँ का इतिहास और संस्कृतिश्च

सहायका ग्रन्थाः

(१) डबरालोपाह्वशिवप्रसादकृतः ***'उत्तराखण्ड का इतिहास'*** इति. दुगड्डा¦ वीरगाथा प्रकाशनम्.

डबराल, शिवप्रसाद. ***उत्तराखण्ड का इतिहास.*** दुगड्डा¦ वीरगाथा प्रकाशन.

(२) पाण्डेयोपाह्वबदरीदत्तकृतः ***'कुमाऊँ का इतिहास'*** इति. अल्मोड़ा¦ श्यामप्रकाशनम् अल्मोड़ा बुक डिपो, मूलसंस्करणम् १९३७. पुनर्मुद्रणम् २०११,

पाण्डेय, बदरीदत्त. ***कुमाऊँ का इतिहास.*** अल्मोड़ा¦ श्याम प्रकाशन अल्मोड़ा बुक डिपो, मूल संस्करण १९३७. पुनर्मुद्रण २०११.

(३) कठोचोपाह्वयशवन्तसिंहकृतः. ***'उत्तराखण्ड का नवीन इतिहास'*** इति, देहरादूनम्, विनसर पब्लिशिंग कम्पनी, द्वितीयं संस्करणम् २०१०.

कठोच, यशवन्त सिंह. ***उत्तराखण्ड का नवीन इतिहास.*** देहरादून¦ विनसर पब्लिशिंग कम्पनी, द्वितीय संस्करण २०१०.

अथ वा

Self Study Group N स्वाध्यायवर्गः— एन

Self Study Group N स्वाध्याय वर्ग– एन

PAPER CODE— S0A/SAN/PG/ S01N **CREDITS 03**

स्वाध्यायप्रश्नपत्रम्—उत्तराखण्डस्य प्रमुखसंस्कृतसाहित्यकाराः पूर्णाङ्काः 60

स्वाध्याय प्रश्नपत्र— उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्यकार

सहायकः ग्रन्थः

चमोल्युपाह्वप्रेमदत्तकृतः ***'गढ़वाल की संस्कृत साहित्य को देन'*** इति. देहरादूनम्¦ ८ न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी अजबपुर कलां बाई पास मार्गः, २००६.

चमोली, प्रेमदत्त.***'गढ़वाल की संस्कृत साहित्य को देन'***. देहरादून¦ ८ न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी अजबपुर कलां बाई पास मार्ग, २००६.